मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, बुधवार, 3 सितंबर 2025

संवत 2082, भाद्रपद शुक्ल 11 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 06 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ प्रधानमंत्री मोदी की चीन यात्रा से भारत को क्या हासिल हुआ ?

जयपुर पहुंचीं मन्नार चोपड़ा,बताया सा रे गा मा का क्या है उनके लिए मतलब 6

बलूचिस्तान में बड़ा आतंकी हमला, 14 लोगों की मौत

क्वेटा : बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा में उस समय मातम पसर गया जब बलूचिस्तान नेशनल पार्टी (बीएनपी) की एक रैली के पास आत्मघाती बम विस्फोट हुआ. इस धमाके में अब तक 14 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 35 से अधिक लोग घायल हो गए हैं. धमाका शाहवानी स्टेडियम के पास हुआ, जहां बीएनपी नेता सरदार अताउल्लाह मेंगल की चौथी पुण्यतिथि पर कार्यक्रम आयोजित किया गया था. कार्यक्रम के समापन के तुरंत बाद यह विस्फोट हुआ.

अख्तर मेंगल को बनाया गया था निशाना, बाल-बाल बचे।

पुलिस अधिकारियों ने पुष्टि की है कि हमले का मुख्य निशाना बीएनपी के वरिष्ठ नेता अख्तर मेंगल और उनका काफिला था. हालांकि, वह इस हमले में सुरक्षित बच निकले. घटना के बाद बीएनपी नेता अख्तर मेंगल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए अपनी सुरक्षा की जानकारी दी और मारे गए पार्टी कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि दी।

घायलों में कई की हालत नाजुक, अस्पतालों में अफरा-तफरी

स्वास्थ्य मंत्री बख्त मुहम्मद काकर के अनुसार, सभी घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जिनमें से कई की हालत गंभीर बनी हुई है. विस्फोट के तुरंत बाद सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर ली और एम्बुलेंस तथा राहत दल घटनास्थल पर पहुंच गए. बम स्क्वॉड और जांच एजेंसियां मौके पर मौजूद हैं।

मुख्यमंत्री ने की हमले की निंदा, विशेष जांच समिति गठित : बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री मीर सरफराज बुगती ने इस आत्मघाती हमले की कड़ी निंदा की है.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बनेंगे रिनपास शताब्दी समारोह के मुख्य अतिथि

संवाददाता

रांची : झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात कर उन्हें रिनपास शताब्दी समारोह का न्योता सौंपा। मुख्यमंत्री ने इस आमंत्रण को सहर्ष स्वीकार किया। उनकी उपस्थिति को लेकर रिनपास परिवार और आम जनता में उत्साह का माहौल है। रिनपास (रांची इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोसाइकेट्री एंड एलाइड साइंसेज) का शताब्दी समारोह 4 सितंबर को कांके स्थित परिसर में भव्य रूप से आयोजित होगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन रहेंगे।स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी और रांची के सांसद संजय सेठ भी शामिल होंगे। इसके अलावा देश-विदेश से प्रसिद्ध डॉक्टर और मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ इस समारोह में भाग लेंगे।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि मुख्यमंत्री की उपस्थिति इस आयोजन को ऐतिहासिक और यादगार बनाएगी। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम न केवल झारखंड की जनता के लिए गर्व का विषय है बल्कि मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं और मन रोगियों के लिए नई उम्मीद भी लेकर आएगा। रिनपास ने पिछले 100 वर्षों में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। शताब्दी समारोह संस्था के गौरवशाली इतिहास को नया मुकाम देगा और राज्य में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को नई पहचान प्रदान करेगा।

हिमाचल प्रदेश के मंडी में भूस्खलन से भारी तबाही

अब तक 6 की मौत, सीएम सुक्खू ने जताया दुख

मंडी : हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले के सुंदरनगर में मंगलवार शाम को हुए भीषण भूस्खलन ने भारी तबाही मचाई है। इस भूस्खलन के कारण अब तक 6 लोगों की मौत हो गई है।

दरअसल, मंडी के जंगम बाग बीबीएमबी कॉलोनी में पहाड़ी दरकने से दो घर मलबे की चपेट में आ गए थे, जिसमें 6 लोगों की मौत हो गई है।

जानकारी के अनुसार, घटनास्थल पर राहत और बचाव कार्य के बाद मलबे से तीन और शव बरामद किए गए हैं। इनमें सुरेंद्र कौर और उनके बेटे गुरप्रीत सिंह शामिल हैं, जिनके शव घर

के नीचे दबे थे। इन शवों को छत काटकर निकाला गया।

इसके अलावा, एक अन्य शव स्कूटर सहित मलबे में दबा मिला, जिसकी पहचान डढ़याल निवासी प्रकाश शर्मा के रूप में हुई। सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए सुंदरनगर अस्पताल भेज दिया गया है।

इस बीच, घटनास्थल पर सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। सेना, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें जुटी हुई हैं। मलबे में एक टाटा सूमो गाड़ी के दबे होने की सूचना है, जिसका कुछ हिस्सा बरामद हो चुका है। गाड़ी में सवार लोगों की तलाश अभी भी जारी है।

इसके अलावा, भारी बारिश के बावजूद चार से पांच जेसीबी मशीनों और स्थानीय लोगों के सहयोग से मलबा हटाने का काम जारी है। मलबे में दबे अन्य लोगों को निकालने के लिए राहत और बचाव कार्य जोर-शोर से चल रहा है। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भूस्खलन की घटनाओं पर दुख जताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ₹प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में लगातार हो रही भारी बारिश और भूस्खलन ने जनजीवन को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। इस त्रासदी में कई लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है। इस दुखद घड़ी में मेरी संवेदनाएं शोक-संतप्त परिवारों के साथ हैं। यह हम सभी के लिए अत्यंत पीड़ादायक समय है।

उन्होंने कहा, आपदा के चलते कई क्षेत्रों में हालात अभी भी गंभीर हैं। किन्नौर के वांगटू में ब्लॉक पॉइंट पर रुकी गाड़ियों पर पत्थर गिरने से भारी नुकसान हुआ है। आज भी नदी-नाले उफान पर हैं, कई सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं और कुछ जगहों से भूस्खलन की भी खबरें हैं। राज्य सरकार एवं राहत दलों की टीमें राहत एवं बचाव कार्यों में दिन-रात एक करके जुटी हैं। मैं स्वयं भी जिलों के अधिकारियों के लगातार संपर्क में हूं। आप सभी से आग्रह करता हूं कि प्रशासन द्वारा जारी एडवाइजरी का पूरी तरह पालन करें। ये निर्देश आपकी सुरक्षा के लिए सर्वोपरि हैं। जोखिम भरे स्थानों की ओर न जाएं। अनावश्यक यात्रा से बचें।

न्यूज ब्रीफ

खूंटी के तोरपा में जंगली हाथी का आतंक

खूंटीः जिले के तोरपा प्रखंड क्षेत्र के सुदूरवर्ती गांव लोहाजिमी में जंगली हाथियों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। सोमवार और मंगलवार (2 सितंबर) की दरम्यानी रात इसकी भयावह झलक देखने को मिली, जब एक जंगली हाथी ने गांव में घुसकर तीन परिवारों के घरों को तोड़कर तहस-नहस कर दिया। रात करीब 3 बजे जंगली हाथी ने गांव में प्रवेश किया और किसान समदेव मुंडा, रानी मुंडाईन और दयाल मुंडा के कच्चे खपरैल के मकानों को निशाना बनाया। हाथी ने मकानों को तोड़कर अंदर बोरियों में भरकर रखा धन (अनाज) खाकर बर्बाद कर दिया। मकानों के मलबे में दबकर दैनिक उपयोग की सामग्रियां और दर्जनों मुर्गियां मर गईं। इस हमले में तीनों परिवारों को हजारों रुपये का आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है, साथ ही उनकी परेशानियां बढ़ गई हैं। मामले की सूचना मिलने पर क्षेत्र की जनप्रतिनिधि पीड़ित परिवारों से मिलीं और उन्हें सांत्वना दी। उन्होंने वन विभाग के कर्मियों को मामले की जानकारी देकर पीड़ित परिवारों को तत्काल आर्थिक मदद पहुंचाने की बात कही है। ग्रामीणों ने बताया कि जंगली हाथियों के आतंक से उनका जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है और उन्होंने प्रशासन से तुरंत सुरक्षा उपाय करने की मांग की है।

चयनित अभ्यर्थियों को मिला नियुक्ति पत्र

खूँटीः झारखंड कर्मचारी चयन आयोग, रांची द्वारा आयोजित झारखंड प्रारंभिक विद्यालय प्रशिक्षित सहायक आचार्य संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा 2023 में सफल एवं अनुशंसित खूँटी जिला के लिए 22 अभ्यर्थियों को वर्ग 6 से 8, विषयः गणित एवं विज्ञान हेतु नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। इनमें से 15 अभ्यर्थियों को माननीय मुख्यमंत्री, झारखंड श्री हेमंत सोरेन द्वारा रांची में राज्य स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में नियुक्ति पत्र सौंपा गया, वहीं शेष 7 अभ्यर्थियों को समाहरणालय, खूँटी स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त श्रीमती आर. रॉनिटा द्वारा नियुक्ति पत्र दिया गया। इस अवसर पर उपायुक्त ने सभी चयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि वे शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य कर बच्चों के भविष्य निर्माण में योगदान दें। मौके पर मुख्य रूप से उप विकास आयुक्त श्री आलोक कुमार, अपर समाहर्ता श्री परमेश्वर मुण्डा, जिला शिक्षा अधीक्षक श्री अभय कुमार शील समेत उपस्थित थे।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम को लेकर उपायुक्त ने किया बैठक

खूंटी : राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर उपायुक्त श्रीमती आर. रॉनिटा द्वारा समाहरणालय खूँटी के सभागार में बैठक किया गया। बैठक में सिविल सर्जन द्वारा बताया गया कि जिले में 15 सितंबर को विशेष अभियान चलाकर 1 से 19 वर्ष तक के बच्चों-किशोरों को कृमि नाशक दवा एल्बेंडाजोल खिलाई जायेगी। इस दौरान छुटे हुए बच्चों को 19 सितंबर को अभियान चलाकर दवा खिलाई जाएगी। कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर उपायुक्त द्वारा सभी संबंधित विभागों को सक्रिय भूमिका निभाने का निर्देश दिया गया। खूँटी जिला के लिए निर्धारित लक्ष्य कुल 1,51,455 बच्चों-किशोरों को दवा खिलाने को लेकर आवश्यक निर्देश दिया गया। वहीं स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के अभिभावकों समेत ग्राम स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने को कहा गया। जिससे अभिभावक जागरूक होकर अपने बच्चों को दवा खिलाएं। योजनाबद्ध तरीके से कार्य करते हुए स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों तथा अन्य स्थानों पर बच्चों, किशोर व किशोरियों को एल्बेंडाजोल की गोली खिलाने का निर्देश दि बैठक में सिविल सर्जन डॉ नागेश्वर मांझी समेत स्वास्थ्य एवं शिक्षा विभाग के संबंधित पदाधिकारी, डॉक्टर्स, सीडीपीओ व अन्य संबंधित उपस्थित थे।

कुआं में डूबने से छात्र की मौत

चतरा : हंटरगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत बहेरी गांव में एक दुखद घटना सामने आई है। अशोक लाल के 16 वर्षीय पुत्र साहिल कुमार की कुएं में डूबने से मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक साहिल पांच अन्य लड़कों के साथ कुएं में नहाने गया था। इसी दौरान वह गहरे पानी में चला गया। बताया जाता है कि साहिल पहली बार ही तैरने का प्रयास कर रहा था। उसके पहले वो कभी भी कुएं में स्नान नही किया था। इधर घटना की जानकारी होते हुए ही हंटरगंज पुलिस सब इंस्पेक्टर बीर बहादुर सिंह दल बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और पंप की मदद से कुएं से पानी खाली कर शव को बाहर निकाला। हालांकि परिजनों ने शव को पोस्टमार्टम करवाने से साफ इंकार कर दिया है।इस घटना से पूरे गांव में शोक की लहर है। घटना की जानकारी मिलते ही मंगलवार शाम करीब 6 बजे चतरा जिला परिषद सदस्य अध्यक्ष ममता कुमारी पीड़ित परिवार से मिलने बहेरी गांव पहुंचीं। उन्होंने परिवार को सांत्वना दी और हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। ममता ने कहा कि वह इस कठिन समय में परिवार के साथ हैं। उन्होंने तुरंत वरीय अधिकारियों से बात कर सरकारी लाभ दिलाने का भी आश्वासन दिया।मौके पर कोबना पंचायत के मुखिया बब्लू कुमार मेहता, समाजसेवी भोला यादव, प्रमोद पासवान सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

झारखंड में कला-संस्कृति के संवर्धन में जुटी सरकार

संवाददाता

रांचीः हेमंत सरकार ने राज्य में कला एवं संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अकादमी खोलने का निर्णय लिया है. मंगलवार को कैबिनेट की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूर किया गया है।

इसके तहत राज्य में ना केवल ललित कला अकादमी का गठन होगा बल्कि झारखंड राज्य साहित्य अकादमी के अलावा झारखंड राज्य संगीत नाटक अकादमी भी खोले जाएंगे। इन अकादमी में अध्यक्ष के अलावे उपाध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष और कार्यसमिति के सदस्य होंगे। अध्यक्ष का कार्यकाल तीन साल का होगा। झारखंड राज्य साहित्य अकादमी जनजातीय भाषाओं को छोड़कर अन्य क्षेत्रीय भाषाओं का संवर्धन करने का काम करेगा।

झारखंड मंत्रालय में 2 सितंबर को हुई कैबिनेट की बैठक में कुल 66 प्रस्ताव के साथ एक अन्यान्य की भी मंजूरी प्रदान की गई. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट की बैठक में मंत्रिपरिषद ने मुम्बई के नवी मुंबई में बनने वाले झारखंड भवन के निर्माण में होनेवाले खर्च के लिए 159 करोड़ की प्रशासनिक स्वीकृति भी प्रदान की. इसके अलावा एक अन्य महत्वपूर्ण प्रस्ताव झारखंड राज्य विस्थापन एवं पुर्नवास आयोग के गठन कार्य के लिए नियमावली की मंजूरी प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कैबिनेट के बाद मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कहा कि बहुत सारे प्रस्ताव पर निर्णय लिए गए हैं. उन्होंने नवी मुंबई में बन रहे झारखंड भवन के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब दिया. सीएम ने कहा कि यह सिर्फ मुंबई का सवाल नहीं है बल्कि जहां-जहां झारखंड के लोग जाते हैं उन सब जगह पर हम लोगों ने वहां के सरकारों से वहां झारखंड भवन बनाने का आग्रह किया है. इस दिशा में ना केवल मुंबई बल्कि तमिलनाडु, तेलंगाना जैसे जगहों में भी हमें स्वीकृति मिली है।

दिवंगत दिशोम गुरु शिबू सोरेन के आवास में रहेंगी रुपी सोरेन : मरांग गोमके पारदेशीय छात्रवृत्ति योजना के तहत अब 50 छात्र-छात्रा विदेश में उच्च शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे. इसकी जानकारी देते हुए कैबिनेट सचिव वंदना दादेल ने कहा कि अब तक इसकी संख्या 25 थी अब 50 विद्यार्थी इसका लाभ ले सकेंगे. कैबिनेट में लिए गए निर्णय के अनुसार इसमें अधिकतम 20 विद्यार्थी अनुसूचित जनजाति के होंगे वहीं अनुसूचित जाति के 10, अल्पसंख्यक के 06 और पिछड़ा वर्ग के 14 विद्यार्थी होंगे।

कैबिनेट सचिव ने बताया कि 66 प्रस्ताव के अलावे बैठक में रुपी सोरेन को आवास आवंटित करने को लेकर आया. कैबिनेट ने दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के लिए आवंटित आजीवन आवास को उनकी पत्नी रुपी सोरेन के नाम से करने का निर्णय लिया है। कैबिनेट के निर्णय के बाद यह साफ हो गया है कि रुपी सोरेन मोरहाबादी स्थित आवास में रहेंगी। हेमंत कैबिनेट ने इसके अलावा झारखंड आकस्मिकता निधि से 20 करोड़ की निकासी की घटनोत्तर स्वीकृति दी. वहीं स्व.गोपाल ठाकुर दैनिक कर्मी के आश्रित की नियुक्ति की मंजूरी प्रदान की गई. मंत्रिपरिषद ने इसके अलावे कई अन्य प्रस्तावों पर मंजूरी प्रदान की है।

आंगनबाड़ी सेविकाओं और सहायिकाओं ने दिया धरना

संवाददाता

खूंटी जिला की आंगनबाड़ी सेविकाओं और सहायिकाओं ने अपनी लंबित मांगों को लेकर सोमवार को खूंटी समाहरणालय के समक्ष एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में सैकड़ों की संख्या में सेविकाएं और सहायिकाएं शामिल हुईं। इस आंदोलन का नेतृत्व झारखंड प्रदेश आंगनबाड़ी वर्कर्स यूनियन के पदाधिकारियों ने किया, जिनमें यूनियन की अध्यक्ष वीणा सिन्हा और कार्यकारी अध्यक्ष बालमुकुंद सिन्हा शामिल थे।

खूंटी जिला आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका संघ की अध्यक्ष रंजीता देवी ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सरकार ने उनकी मांगों पर शीघ्र ध्यान नहीं दिया, तो 10 सितंबर से राज्यभर की सभी सेविका-सहायिकाएं विधानसभा के समाप अनिश्चितकालीन धरना और हड़ताल पर चली जाएंगी। उन्होंने कहा कि आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जातीं।

प्रमुख मांगें इस प्रकार हैंः आंगनबाड़ी सेविकाओं और सहायिकाओं को श्रमिक का दर्जा देकर सरकारी कर्मचारी घोषित किया जाए।

सेवानिवृत्ति पर उन्हें पांच लाख रुपये की एकमुश्त राशि और मानदेय के आधार पर पेंशन दी जाए, जैसा कि पश्चिम बंगाल में लागू है। वर्ष 2022 के संकल्प पत्र के अनुसार, सेविकाओं के मानदेय में प्रति वर्ष 1000 रुपये और सहायिकाओं के मानदेय में 500 रुपये की वार्षिक वृद्धि की जाए और इसे जुलाई माह में ही लागू किया जाए।

पर्यवेक्षिका के पदों पर केवल सेविकाओं की ही नियुक्ति की जाए और सहायिकाओं को सेविका के पद पर पदोन्नत किया जाए। साथ ही, पदोन्नति में उम्र सीमा को हटाया जाए, क्योंकि पिछले 10 वर्षों से विभागीय पदोन्नति रुकी हुई है।

सर्वोच्च न्यायालय के आदेश (अपील संख्या-3153) के अनुसार, सेविकाओं और सहायिकाओं को ग्रेच्युटी के लाभ का तत्काल कार्यान्वयन किया जाए।

पोषण ट्रैकर पर ऋ्फ्र (फेस रिकग्निशन सिस्टम) का कार्य तब तक रोका जाए, जब तक पंचायत स्तर पर कैंप लगाकर आधार से मोबाइल लिंकिंग की समस्या का समाधान नहीं किया जाता।

सेविकाओं को इछड (बूथ लेवल ऑफिसर) के कार्य से मुक्त किया जाए, क्योंकि इससे आंगनबाड़ी (क्ळ्उ्र) के मुख्य कार्य प्रभावित हो रहे हैं।

इस धरने के माध्यम से आंगनबाड़ी कार्यकत्ताओं ने सरकार को अपनी मांगों को गंभीरता से लेने और जल्द से जल्द हल करने का स्पष्ट संदेश दिया है।

जंगली हाथी के हमले में किसान की मौत

वन विभाग की देरी पर गुस्सा

संवाददाता

रनिया : रनिया प्रखंड के बोंगतेल गांव में एक जंगली हाथी ने एक किसान की जान ले ली, जिससे इलाके में बढ़ रहे हाथियों के आतंक ने एक दुखद मोड़ ले लिया है। मृतक की पहचान 32 वर्षीय कृष्णा सिंह के रूप में हुई है।

यह दुर्घटना मंगलवार (2 सितंबर) की रात करीब 9 बजे गांव के पास जंगल में घटी। बताया जा रहा है कि कृष्णा सिंह अन्य ग्रामीणों के साथ गांव में घुस आए एक जंगली हाथी को वापस जंगल की ओर खदेड़ रहा था। इसी दौरान हाथी ने अचानक उस पर हमला कर दिया और उसे कुचल दिया। इस हमले में कृष्णा सिंह की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

हादसे के बाद का दृश्य और भी दुखद था। हमलावर हाथी शव के पास घंटों खड़ा रहा, जिसके चलते स्थानीय लोग रातभर शव को बरामद नहीं कर पाए। ग्रामीणों ने वन विभाग को तुरंत सूचना दी, लेकिन विभाग के कर्मी घटनास्थल पर करीब नौ घंटे बाद, बुधवार सुबह 6 बजे पहुंचे। विभाग की इस देरी पर ग्रामीणों में गहरा रोष है।

कृष्णा सिंह शादीशुदा थे और उनकी पत्नी और तीन छोटे बच्चे हैं। वह गांव में खेती-किसानी करके अपने परिवार का गुजारा चलाते थे। उनकी अचानक हुई मौत से पूरे परिवार में मातम छा गया है।

यह घटना इस इलाके में जंगली हाथियों द्वारा बढ़ाए जा रहे आतंक की एक भयावह झलक है। ग्रामीणों के मुताबिक, पिछले 15 दिनों से बोंगतेल गांव और आस-पास के इलाकों में जंगली हाथियों का एक झुंड आतंक मचा रहा है। हाथी अक्सर गांव में घुसकर घरों को नुकसान पहुंचाते हैं और खेतों में लगी फसलों को रौंद डालते हैं। लगातार बढ़ रहे इस संकट से स्थानीय लोगों की परेशानी बढ़ती जा रही है, और उनका आरोप है कि प्रशासन और वन विभाग ने इस गंभीर समस्या की ओर कोई गंभीर ध्यान नहीं दिया है।

ग्रामीण अब प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि वह जंगली हाथियों से निपटने के लिए तत्काल और ठोस कदम उठाए, ताकि भविष्य में इस तरह की कोई और दुर्घटना न हो। साथ ही, मृतक किसान के परिवार को पर्याप्त मुआवजा और सहायता दिए जाने की भी मांग की जा रही है।

देश में राष्ट्रीय सवर्ण आयोग का हो गठन : सुनील कुमार सिंह

रांची : भाजपा नेता सह राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने केंद्र सरकार व राज्य सरकार से मांग की है कि अनुसूचित जाति आयोग व अनुसूचित जनजाति आयोग व अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग अल्पसंख्यक आयोग की तर्ज पर राष्ट्रीय सवर्ण जाति आयोग का भी गठन हो। सुनील कुमार सिंह ने कहा कि सवर्ण के हितों की रक्षा के लिए आज तक अपने देश में सवर्ण जाति आयोग का गठन नहीं हो पाया है। किसी राज्य में सवर्ण आयोग बना भी तो लागू नहीं हो पाया। जैसेझ्र बिहार में 2011 में बाबू नीतीश कुमार की सरकार में सवर्ण आयोग का गठन तो हुआ, पर 9वीं अनुसूची में संशोधन के अभाव में लागू नहीं हो पाया।

जबकि पूरे देश में लगभग 31% प्रतिशत व झारखंड राज्य में लगभग 14% प्रतिशत सवर्णों की आबादी है। सवर्ण जाति में भी आर्थिक व शैक्षणिक रूप से काफी पिछड़े हुए लोग हैं। अगड़ी जातियों की बड़ी आबादी को रोजगार नहीं मिल रहा है, जो कि रोजगार से वंचित और आर्थिक तंगी की चपेट में है। उन्होंने कहा कि हम किसी जाति वर्ग का विरोध नहीं कर रहे हैं, परंतु समाज के सभी वर्गों की तरह सामान्य वर्गों को भी समान अधिकार मिले.? यही सरकार से हमारी मांग है। चूंकि समाज में सभी वर्गों का हक है कि सभी को समान अधिकार मिले..? सामान्य वर्ग के लोगों को भी हर सरकारी योजनाओं पर पूरा हक हो..? जो सवर्ण रोजगार से वंचित और आर्थिक तंगी की चपेट में हैं, उन्हें भी आर्थिक आधार पर सर्वे कर, सामाजिक विषमता को दूर करने के लिए, संविधान में संशोधन करते हुए, सवर्ण आयोग का गठन हो..?? वहीं सुनील कुमार सिंह ने राजनीतिक दलों में भी भेदभाव को दूर करने के लिए कहा कि अन्य जाति मोर्चा की तर्ज पर सवर्ण मोर्चा भी बने..?? ताकि सवर्ण जाति के लोगों को भी राजनीतिक दलों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित हो सके। क्योंकि हमेशा से सवर्ण जाति के लोग अपने निजी हितों को बलिदान करता रहा है। उन्होंने कहा कि हम जाति-पाति को बढ़ावा नहीं दे रहे हैं, बस सिर्फ अपना अधिकार की मांग करते हैं। यदि हमारी इस मांग से जातिझ्र पाति को बढ़ावा मिलती है, तो फिर राजनीतिक दलों में बने अन्य जाति मोर्चा या अन्य जाति आयोग को भी समाप्त/निरस्त किया जाना चाहिए.ताकि समाज के सभी जातियों में समन्वय स्थापित हो सके।

अवैध परिवहन में शामिल बोल्डर पत्थर लदे एक दर्जन हाइवा जब्त

किसी हाइवा के पास नहीं पाया गया पत्थर का चालान

संवाददाता

चतरा : जिला टास्क फोर्स की टीम ने जिले में अवैध खनन व परिवहन के विरुद्ध व्यापाक अभियान चलाया है। यह अभियान उपायुक्त कीर्तिश्री जी के निर्देश पर चलाया गया। मंगलवार की सुबह चतरा गया मार्ग पर हंटरगंज थाना क्षेत्र के पखा मोड़ के पास टीम में शामिल अधिकारियों ने एक दर्जन बोल्डर पत्थर लदा हाइवा को जप्त किया है। जप्त सभी हाइवा को हंटरगंज थाना को सुपूर्द किया गया है। जिला टास्क फोर्स कमिटी में अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, चतरा एसडीओ जहूर आलम, सिमरिया एसडीओ सनी राज, जिला खनन पदाधिकारी मनोज टोप्पो, जिला परिवहन पदाधिकारी महेश्वरी यादव, जिला खनन निरीक्षक राजेश हसदा, सीओ

ऋतिक कुमार, वशिष्ठ नगर थाना प्रभारी अमित कुमार सिंह शामिल थे। बताया जाता है कि टीम में शामिल अधिकारी पखा मोड के पास वाहन चेकिंग लगाकर प्रखंड के विभिन्न पत्थर माइंस से पत्थर लादकर जा रहे एक दर्जन हाईवा के कागजातों की जांच की गई। हाईवा के चालकों से वाहन वाहन और उस पर लदे पत्थरों से से संबंधित कागजातों की मांग की गई है। जांच के दौरान किसी भी हाइवा चालकों के पास से पत्थर का चलान नहीं पाया गया। इसके बाद सभी हाइवा को जप्त कर थाना लाया गया। जिला परिवहन पदाधिकारी मनोज टोप्पो ने बताया कि एक दर्जन पत्थर लदे हाइवा को जप्त किया गया है। पत्थर व वाहनों के कागजातों की जांच की जा रही है। जांच के बाद दोषी पाए जाने वाले हाइवा चालकों पर फाइन या फिर एफआईआर की कार्रवाई की जाएगी। अंचल अधिकारी अनिल कुमार व थाना प्रभारी विपिन कुमार ने संयुक्त रूप से अवैध बालू उठाव व परिवहन के खिलाफ अभियान चलाया।

अवैध बालू लदा ट्रैक्टर जब्त : टीम ने सदर थाना क्षेत्र के हफुवा, सीमा व मोकतमा क्षेत्र में अवैध बालू के उठाव व परिवहन को लेकर अभियान चलाया। इस दौरान थाना क्षेत्र के मोकतमा के कच्चा नदी से अवैध बालू का उठाव करते एक ट्रैक्टर को जब्त किया गया। इस दौरान चालक फरार होने में सफल रहा। जप्त ट्रैक्टर मोकतमा निवासी मानकी कुमार का बताया जा रहा है। अंचल अधिकारी अनिल कुमार ने बताया कि हफुवा व मोकतमा क्षेत्र से अवैध बालू खनन व परिवहन की सूचना प्राप्त हो रही थी।

नवचयनित सहायक आचार्यों को नियुक्ति पत्र वितरित

चतरा : विभागीय निदेशानुसार एवं झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा प्राप्त अनुशंसा के आलोक में जिले में कक्षा 6 से 8 (गणित एवं विज्ञान विषय) के 05 नवचयनित सहायक आचार्यों को राज्य के मुख्यमंत्री झारखंड सरकार श्री हेमंत सोरेन द्वारा प्रोजेक्ट भवन, धुर्वा (राँची) में नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया।इसी क्रम में मंगलवार को समाहरणालय सभागार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान 23 नवचयनित सहायक आचार्यों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर उपायुक्त श्रीमती कीर्तिश्री जी, उप विकास आयुक्त श्री अमरेन्द्र कुमार सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया श्री सन्नी राज एवं जिला शिक्षा अधीक्षक श्री रामजी कुमार उपस्थित रहे।इस मौके पर नवचयनित आचार्यों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया।उपायुक्त श्रीमती कीर्तिश्री जी ने सभी नवचयनित शिक्षकों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि आप सभी से अपेक्षा है कि आप ईमानदारी, निष्ठा एवं पूर्ण जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे। विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना तथा ड्रॉप आउट की समस्या को दूर करने की दिशा में सक्रिय पहल करना आपकी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि नई नियुक्तियों से शिक्षा व्यवस्था को मजबूती मिलेगी और विद्यालयी शिक्षा में सकारात्मक सुधार होगा। इससे बच्चों के भविष्य निर्माण में नई ऊर्जा का संचार होगा और शिक्षा का स्तर और भी बेहतर बन सकेगा। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों ने भी नवचयनित सहायक आचार्यों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं।

करमा पर्व : संस्कृति और भाईचारे का संगम

विद्यालयों में बच्चों ने किया उत्सव का आयोजन

संवाददाता

रांची : झारखंड का प्रमुख लोकपर्व करमा पूजा आज रांची जिले के सभी प्रारंभिक विद्यालयों में बड़े उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। यह पर्व प्रकृति, भाई-बहन के अटूट रिश्ते और सामूहिक समृद्धि का प्रतीक माना जाता है।

इस अवसर पर बच्चों ने पारंपरिक वेशभूषा में सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किया, करमा गीत गाए और कई विद्यार्थियों ने करमा पर्व से जुड़ी कथा भी सुनाई।यह आयोजन प्री समेटिव असेसमेंट-1 परीक्षा के बाद विशेष रूप से आयोजित किया गया, ताकि विद्यार्थियों को अपनी परंपरा से जुड़ने का अवसर मिल सके।

जिला शिक्षा अधीक्षक बादल राज के कल्चरल कनेक्ट प्रोग्राम के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में जिले के 2100 से अधिक विद्यालयों के डेढ़ लाख से ज्यादा विद्यार्थियों ने भागीदारी की। इस पहल ने बच्चों को संस्कृति से जोड़ने, परंपराओं को समझने और सामूहिकता का अनुभव करने का अवसर प्रदान किया।

गवर्नमेंट मिडिल स्कूल, नवीन आरक्षी में छात्रा रेशमी उरांव ने मधुर करमा गीत प्रस्तुत कर पूरे वातावरण को भक्ति और उल्लास से भर दिया।जया प्रभा ने बताया कि शाम को गांवों में बहनें व्रत रखती हैं और सामूहिक अखाड़े में करम वृक्ष की शाखा की पूजा की जाती है। पूजा के बाद पारंपरिक नृत्य-गीत होते हैं और पूरा गांव आनंद और भाईचारे के माहौल में डूब जाता है।करमा पर्व हमें अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ता है और भाई-बहन के पवित्र रिश्ते की मजबूती का संदेश देता है।

करमा पूजा व ईद-ए मिलाद-उन-नबी को लेकर डीजीपी ने की बैठक, कहा

असामाजिक तत्वों के खिलाफ करें कार्रवाई

रांची : झारखंड पुलिस मुख्यालय के सभागार में डीजीपी अनुराग गुप्ता ने मंगलवार को आगामी त्योहार करमा पूजा, ईद-ए-मिलाद-उन-नबी और गणेश चतुर्थी को लेकर समीक्षा बैठक की। इस दौरान राज्य की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को लेकर डीजीपी ने जोनल आईजी, रेंज के डीआईजी और जिले के एसपी को कई दिशा निर्देश दिए।

डीजीपी ने बैठक के दौरान असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा। साथ ही निर्देश दिया कि त्योहारों के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए संवेदनशील स्थानों पर दंडाधिकारी और पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करें।

इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस उपकरणों का उपयोग करने के निर्देश : डीजीपी ने सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए सीसीटीवी और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस उपकरणों का उपयोग करने के निर्देश दिए। डीजीपी ने आगे कहा कि जुलूस के मार्गों का भौतिक सत्यापन करके संवेदनशील और अतिसंवेदनशील इलाकों में विशेष निगरानी रखने की जरूरत है।

जुलूसों के साथ-साथ मजिस्ट्रेट, पुलिस बल, क्यूंआरटी और ड्रोन द्वारा हवाई निगरानी (एरियल सर्विलांस) की व्यवस्था करने के लिए कहा। सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों और भड़काऊ पोस्ट पर कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया गया। साथ ही जिला और थाना स्तर पर शांति समिति की बैठकें आयोजित करके विभिन्न समुदायों के बीच सामंजस्य स्थापित करने पर बल दिया गया।

असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जाए : डीजीपी सभी जिलों को त्योहारों के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उपद्रवियों और असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जाए और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

उन्होंने जुलूस मार्गों के भौतिक सत्यापन, धार्मिक स्थलों और जुलूसों की ड्रोन से निगरानी, विसर्जन स्थलों पर लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दिया। जिन जिलों में पहले सांप्रदायिक घटनाएं हो चुकी हैं, वहां विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया गया।

इसके अलावा, डीजीपी ने सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी रखने, किसी भी अफवाह के फैलने पर तत्काल उसका सत्यापन करने और आवश्यक कार्रवाई करने का आदेश दिया। उन्होंने संवेदनशील स्थानों पर सादे कपड़ों में पुलिस बल तैनात करने, जिला नियंत्रण कक्षों को अधिक प्रभावी बनाने और महिला सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने का भी निर्देश दिया।

अंचलों में जनता दरबार का आयोजन कई शिकायतों का हुआ समाधान

रांची : उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री के निर्देशन में जिले के सभी अंचलों में प्रत्येक मंगलवार को जनता दरबार का आयोजन किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य आम लोगों की समस्याओं को सुनना, उनका त्वरित निवारण करना और प्रशासन को जन-केंद्रित बनाना है। इसी कड़ी में मंगलवार को रांची जिले के सभी अंचलों में जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में आवासीय, जाति, आय और स्थानीय प्रमाण पत्र से संबंधित आवेदन, दाखिल-खारिज, भूमि विवाद, पंजी-2 में सुधार और भूमि अभिलेख, पारिवारिक सदस्यता प्रमाण पत्र, वृद्धावस्था, विधवा, और दिव्यांग पेंशन, मनरेगा, कृषि ऋण माफी, केसीसी सहित अन्य जटिल मामलों को संबंधित समस्याओं का विभागों को अग्रसारित किया गया, जबकि कई मामलों का ऑन द स्पॉट निष्पादन किया गया।

वृद्ध, दिव्यांग और महिलाओं को प्राथमिकता : राँची जिला प्रशासन ने वृद्धजनों, दिव्यांगजनों, और महिलाओं की शिकायतों को प्राथमिकता देने का सराहनीय कदम उठाया है।

लंबित आपराधिक कार्यवाही पेंशन और ग्रेच्युटी रोकने का आधार नहीं बन सकती : हाईकोर्ट

संवाददाता

रांची : झारखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने सेवानिवृत्त महिला लेक्चरर की याचिका पर सुनवाई करते हुए एक महत्वपूर्ण आदेश पारित किया है। कोर्ट ने कहा है कि बिना दोषसिद्धि के आपराधिक कार्यवाही का लंबित रहना पेंशन और ग्रेच्युटी या अन्य पेंशन लाभ रोकने का आधार नहीं हो सकता है। क्योंकि यह कर्मचारी के वैधानिक अधिकार है।

सेवानिवृत्ति लाभों की मांग को लेकर दायर की थी रिट याचिका : दरअसल याचिकाकर्ता शांति देवी को 1 नवंबर 1984 को बी।एन।जे। कॉलेज में अस्थायी आधार पर हिंदी व्याख्याता (लेक्चरर) के रूप में एक वर्ष के लिए नियुक्ति किया गया था। इसमें एक प्रावधान था कि उनकी सेवाएं बिना कारण बताए किसी भी समय समाप्त की जा सकती थीं।

शांति देवी ने 7 जनवरी 1985 को कॉलेज में कार्यभार ग्रहण किया। इसके बाद 8 फरवरी 2002 को उनका स्थानांतरण राम लखन सिंह यादव कॉलेज में हो गया, जहां उन्होंने 16 फरवरी 2002 को कार्यभार संभाला। फिर 7 नवंबर 2003 को उन्हें झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) का सदस्य नियुक्त किया गया।

2004 में उन्हें बिना वेतन के पांच वर्ष का असाधारण अवकाश प्रदान किया गया। इसके बाद शांति देवी को झारखंड राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम के तहत रांची विश्वविद्यालय सेवा में अस्थायी रूप से शामिल कर लिया गया। जेपीएससी में अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद उन्होंने 7 नवंबर 2009 को आर।एल।एस।वाई। कॉलेज में दोबारा कार्यभार ग्रहण कर लिया।

2 जून 2011 को सतर्कता विभाग ने कुछ आपराधिक मामलों को लेकर प्रतिवादी को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के अगले दिन यानी 3 जून को उन्हें निलंबित कर दिया गया था। हालांकि बाद में शांति देवी को जमानत मिल गई। जमानत मिलने पर 30 जनवरी 2014 में उनकी सेवा में बहाल कर दी गईं और वो फिर से ड्यूटी पर लौट आई। लेकिन नैतिक पतन से संबंधित मामले में कार्यवाही लंबित रहने के कारण 2015 में दोबारा उनको निलंबित कर दिया गया। इसके बाद 18 दिसंबर 2018 में रांची विश्वविद्यालय ने झारखंड राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम की धारा 67 के तहत उन्हें अनिवार्य रूप से सेवानिवृत्त करने का फैसला किया। 25 जनवरी 2019 को शांति देवी को तीन महीने के वेतन के साथ सेवानिवृत्त कर दिया गया। भविष्य निधि (ढत्र) का भुगतान 2020 में कर दिया गया। लेकिन पेंशन, ग्रेच्युटी और अवकाश नकदीकरण जैसे अन्य लाभ कई अभ्यावेदनों के बावजूद रोक दिए गए थे। इसके विरोध में शांति देवी ने हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर की और सेवानिवृत्ति लाभों की मांग की।

कांके में बंद घर से 35 लाख चोरी करने वाले गिरोह का पदार्फाश, दो शातिर चोर गिरफ्तार

रांची : रांची पुलिस ने कांके थाना क्षेत्र में बंद घरों में चोरी करने वाले एक संगठित गिरोह का पदार्फाश किया है। डीआईजी सह एसएसपी चंदन सिन्हा के निर्देश पर पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए गिरोह के दो मुख्य सदस्यों को गिरफ्तार किया है। जिनमें सन्नी कुमार और आलोक सिंह शामिल है। उनके पास से चोरी की गई 7।47 लाख रुपया और अन्य सामान बरामद किए गए हैं। एसएसपी ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि यह गिरोह दिन-दहाड़े बंद घरों की रेकी कर चोरी की वारदात को अंजाम देता था।

क्या है मामला : बीते 18 अगस्त कांके थाना क्षेत्र के जयप्रकाश नगर, अरसंडे में एक घर का ताला तोड़कर चोरों ने सेंध लगाई। इस दौरान घर से करीब 35 लाख रुपये मूल्य के सोने, चांदी के जेवरात और नकदी की चोरी की गई थी। मामले का खुलासा के लिए एसएसपी ने विशेष टीम का गठन किया। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और गुप्त सूचनाओं के आधार पर संदिग्धों से पूछताछ की। इस पूछताछ के बाद, दो अभियुक्तों को एक सितंबर को गिरफ्तार किया। अभियुक्तों ने अपने स्वीकारोक्ति बयान में बताया कि वे अपने गिरोह के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर रांची जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में बंद घरों की रेकी करते थे। रेकी करने के बाद, वे दिन या रात में घर का ताला तोड़कर कीमती जेवर और नकदी की चोरी करते थे।

जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण समिति की हुई बैठक

जिले में चल रहे योजनाओं के क्रियान्वयन एवं प्रगति पर हुई चर्चा

रांची : श्रीकृष्ण लोक प्रशासन सेवा संस्थान (एसकेआईपीकेए) सभागार में जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण समिति (दिशा) की बैठक आयोजित की गई। जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण समिति के अध्यक्ष संजय सेठ की अध्यक्षता में हुई।

बैठक में समिति द्वारा रांची सदर अस्पताल की प्रशंसा की गयी। श्री संजय सेठ ने कहा कि सदर अस्पताल बढ़िया कार्य कर रहा है। समिति द्वारा विभिन्न प्रखण्डों में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के जीर्णोद्धार पर भी चर्चा की गयी। सभी सीएचसी में अल्ट्रासाउण्ड और डायलिसिस की व्यवस्था करने का निर्देश समिति द्वारा दिया गया। न्यू बोर्न बेबी के लिए आधार बनाने और स्नैक बाइट के लिए भी व्यवस्था का निर्देश अध्यक्ष द्वारा दिया गया। माननीय अध्यक्ष द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से फैटी लीवर के मरीजों के इलाज की

व्यवस्था को लेकर विचार-विमर्श भी किया गया। माननीय सांसद श्री कालीचरण मुण्डा द्वारा बुण्डू अनुमण्डल अस्पताल में बेहतर व्यवस्था हेतु सिविल सर्जन को निदेशित किया गया।

बैठक के दौरान केन्द्र सरकार की विभिन्न योजनाओं की जिले में क्रियान्वयन एवं प्रगति की समीक्षा समिति द्वारा की गई। उपविकास आयुक्त सौरभ कुमार भुवनिया ने पीपीटी के माध्यम से समिति को जिले में विभिन्न योजनाओं जैसे- मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी एवं ग्रामीण, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल विकास योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, नेशनल सोशल असिस्टेंस प्रोग्राम, समाज कल्याण, नेशनल हेल्थ मिशन, स्वच्छ भारत मिशन/जल जीवन मिशन, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना, एवं अन्य योजनाओं की जिला में कार्य प्रगति की जानकारी दी गई।

बैठक में जनप्रतिनिधियों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े अलग-अलग मुद्दे उठाए गये, जिस पर समिति द्वारा संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने का निर्देश दिया गया। बैठक में जल जीवन मिशन अंतर्गत कुछ स्थानों पर अधूरे कार्य का मामला उठाया गया। जिस पर चर्चा करते हुए समिति द्वारा नियत समय पर कार्य पूर्ण कराने का निर्देश दिया गया।

बैठक में कृषि पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, खूंटी सांसद कालीचरण मुंडा, माननीय सांसद, खूँटी, श्री सांसद (राज्यसभा) दीपक प्रकाश, आदित्य प्रसाद,, डॉ। महुआ माजी, विधायक सीपी सिंह, नवीन जायसवाल, अमित महतो, जिला परिषद अध्यक्ष निर्मला भगत, उपायुक्त, मंजूनाथ भजन्त्री, डीआईजी-सह-वरीय पुलिस अधीक्षक चंदन सिन्हा, उपविकास आयुक्त सौरभ कुमार भुवनिया एवं जिलास्तरीय पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

OFFICE OF CIVIL SURGEON Cum CMO, RANCHI
Mail id – csofficeranchi@yahoo.com

Ref No: Date:-

Re - EXPRESSION OF INTREST

SPECIAL EXPRESSION OF INTREST FOR (EOI) FOR INSTALLATION of Central Teleradiaology Software Hub at Sadar Hospital Ranchi.

NO	INFORMATION/ SUBJECT	DETAIL
1	2	3
01	NAME OF WORK	Selection of Agency for INSTALLATION of Central Teleradiaology Software Hub at Sadar Hospital Ranchi. 834001
02	DATE OF PUBLICATION OF BID On Jharkhand tender	04.9.2025
03	EARNEST MONEY TO BE DEPOSITED & Tender Fee (Non Refundable)	RS 1,45,000.00 (One lakh forty five Thousand). On line Deposite
04	LAST DATE & TIME FOR BID SUBMISSION & Opening	15.9.2025 (5 PM) & Document Download on 16.9.2025
05	BID SUBMMISSON PLACE	**website http://jharkhandtenders.gov.in**
06	Pre bid Meeting	07.9.2025 (1:00 PM) Civil Surgeon Office (Red Building) Sadar Hospital
07	After Pre bid Meeting Final Bid Upload on	08.9.2025
08	NAME AND OFFICE FOR INVINTING EOI	Office of Civil Surgeon, Ranchi
09	HELPLINE NO. AND EMAIL ADDRESS	Email – csofficeranchi@yahoo.com Mob no. –9942090455 (only for IT Issues) , 7544052143, 6204814009
10	कार्यादेश निर्गत के पूर्व सफल निविदादाता को 1,45,000.00 (One lakh forty five Thousand). का जमानत राशि का बैंक गांरटी अधोहस्ताक्षरी के नाम से समर्पित करना होगा।	

Further details & Corrigendum can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

किसी प्रकार के शुद्धि पत्र आदि का http://jharkhandtenders.gov.in पर ही प्रकाशित किया जाएगा।

PR.NO.361105 Health Med Edu and Family Welfare(25-26):D

असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, राँची।

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ का श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर में भावपूर्ण हुआ आगमन

ट्रस्ट का कार्य सच्चे अर्थों में मानवता की सेवा, समाज में करुणा एवं संवेदना का अलख जगाता है: संजय सेठ

रांची : श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित झारखंड के सबसे भव्य और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर एवं सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम, पुंदाग, रांची में एक विशेष एवं गौरवशाली क्षण तब आया, जब रांची के लोकप्रिय सांसद एवं भारत सरकार के केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ अपनी धर्मपत्नी के साथ मंदिर परिसर में पधारे।

संजय सेठ ने सपत्नीक मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर भगवान श्री राधा-कृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर की दिव्यता, भव्य स्थापत्य कला एवं आध्यात्मिक वातावरण ने उन्हें भावविभोर कर दिया। उन्होंने कहा कि इस मंदिर की कलात्मकता न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह झारखंड की सांस्कृतिक विरासत को भी दशार्ता है। मंदिर के मुख्य पुजारी अरविंद पांडे ने ट्रस्ट की ओर से उन्हें पारंपरिक विधि से अंगवस्त्र एवं श्री राधा कृष्ण का स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसके पश्चात वे सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम पहुंचे, जो दिव्यांग, निराश्रित, वृद्ध एवं मानसिक रूप से असहाय लोगों के लिए एक संजीवनी समान है। श्री सेठ ने आश्रम में निवासरत जनों से आत्मीय संवाद किया, उनका हालचाल जाना और प्रेमपूर्वक भोजन भी कराया। उन्होंने कहा कि ऐसे संस्थानों का कार्य सच्चे अर्थों में मानवता की सेवा है, और यह समाज में करुणा एवं संवेदना की अलख जगाता है। मंदिर परिसर में स्थित गौशाला का भी उन्होंने अवलोकन किया, जहाँ गायों की सेवा ट्रस्ट द्वारा अत्यंत श्रद्धा और समर्पण भाव से की जाती है। मंत्री महोदय ने गोसेवा के इस कार्य की सराहना करते हुए कहा कि यह परंपरा भारतीय संस्कृति की आत्मा है और इसका संरक्षण आवश्यक है।

कार्यालय:-वन प्रमण्डल पदाधिकारी, गुमला वन प्रमण्डल
E-mail :forest-gumla@jharkhandmail.gov.in
Mobile No. – 8987790115, Pin Code - 835207

पत्रांक ..../ दिनांक ..../

आवश्यक सूचना

सूचित किया जाता है कि दिनांक 12.08.2025 को गुप्त सूचना के आधार पर रायडीह–बांसडीह मुख्य पथ पर सिकोई में 14 बोझा जलावन लकड़ी सहित एक टाटा मैजिक वाहन सं0–JH04Q7123 को वनकर्मियों के द्वारा जप्त कर रायडीह वन परिसर में लाकर सुरक्षित रखा गया है। उक्त जप्त वन पदार्थ सहित वाहन के विरूद्ध प्राधिकृत पदाधिकारी–सह–वन प्रमंडल पदाधिकारी, गुमला वन प्रमंडल के न्यायालय में अधिहरण की कार्रवाई प्रारम्भ की गई है।

अतः समाचार पत्रों के माध्यम से जप्त वन पदार्थ के दावेदार (यदि कोई हो) एवं सम्बन्धित सभी को सूचित किया जाता है कि वे दिनांक 15.09.2025 को प्राधिकृत पदाधिकारी–सह–वन प्रमंडल पदाधिकारी, गुमला वन प्रमंडल के न्यायालय में 11:00 बजे पूर्वाह्न स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें, अन्यथा उपलब्ध साक्ष्यों एवं अभिलेखों के आधार पर एक पक्षीय निर्णय ले लिया जायेगा।

:–वन है,तो जीवन है–:

प्राधिकृत पदाधिकारी,
–सह–
वन प्रमंडल पदाधिकारी,
गुमला वन प्रमंडल

PR 361122 Forest, Environment and Climate Changes(25-26).D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

नाना सहाब पेशवा की दत्तक मैना देवी को अंग्रेजों ने पहले कठोर यातनाएँ दीं

पराधीनता काल के भीषण अत्याचारों से केवल सल्तनत काल का इतिहास ही रक्त रंजित नहीं है, अंग्रेजी काल में भी असंख्य क्रूरतम घटनाएँ इतिहास के पन्नों में दर्ज हैं जिन्हें पढ़कर आज भी प्रत्येक भारतीय आत्मा रो उठती है । अंग्रेजों ने भी क्रूरता और अत्याचार की सभी मयार्दाएँ तोड़ीं हैं। ऐसी ही एक घटना कानपुर के पास बिठूर की है । अंग्रेजों ने एक तेरह वर्षीय बालिका मैना देवी को पहले कठोरतम यातनाएँ दीं और फिर जिन्दा जलाया। इस बालिका मैना देवी का अपराध इतना था कि वह नाना साहब पेशवा की दत्तक पुत्री थी । 1857 के स्वाधीनता संग्राम में कानपुर एक प्रमुख केन्द्र था । यहीं से ही क्राँति के संदेश देश भर में भेजे गये थे। प्रत्येक स्थान के लिये क्रान्ति के कारण और तिथियाँ अलग थीं। सबको संयोजित करने की योजना कानपुर में ही बनी थी। इसकी कमान नाना साहब पेशवा के हाथ में थी । उनकी ओर से तात्याटोपे ने टोली बनाकर भारत भर में संदेश वाहक भेजे थे। संदेशों के आदान प्रदान का काम भ्रमण करने वाले संन्यासी और ग्राम पुरोहित कर रहे थे। देश भर में वातावरण बनाकर कानपुर में क्राँति का शंखनाद किया गया और नाना साहब ने सत्ता भी संभाल ली। नाना साहब पेशवा ने सभी अंग्रेज परिवारों को सुरक्षित आगरा भेजने का प्रबंध भी कर लिया था। इसके लिये दो सौ नावें एकत्र कर लीं गई थी ताकि जल मार्ग से ये सभी यूरोपीय परिवार सुरक्षा के साथ जा सकें कुछ नावें रवाना भी हुईं किन्तु सत्ती चौरा में कुछ सैनिकों में प्रतिक्रिया हुई और कुछ अंग्रेज परिवारों को मार डाला गया। इस घटना से अंग्रेज बौखलाए। समाचार लंदन तक पहुंचा। कानपुर में दमन के आदेश हुये। अपनी क्रूरतम सैन्य कार्रवाई के लिये कुख्यात जनरल नील और जनरल हैवलॉक अपनी अपनी सेनायें लेकर कानपुर पहुँचे। अंग्रेजों का पारा सातवें आसमान पर था। उन्हें किसी भी प्रकार अपनी सत्ता तो वापस पाना ही थी, किन्तु इससे अधिक वे अंग्रेज परिवारों के वध का बदला लेना चाहते थे वह भी इस क्रूर योजना के साथ कि भविष्य में कोई भी अंग्रेज परिवारों पर आँख उठाकर देखने ने दुस्साहस न कर सके । जनरल नील और हैवलॉक की सेनाओं ने पूरे क्षेत्र पर घेरा डाला और कत्लेआम प्रारम्भ कर दिया। यह कत्लेआम पहले कानपुर नगर के आसपास के गाँव में हुआ। कानपुर नगर के सभी संपर्क मार्ग बंद कर दिये गये थे। ताकि कोई न नगर से बाहर जा सके और कोई भीतर आ सके। खाद्यान, सब्जी या सैनिक सामग्री आदि किसी भी प्रकार की सहायता नगर के भीतर न पहुँच सकी । न कोई संदेश आ सके। इस रणनीति से कानपुर का संपर्क तो पूरे भारत से टूटा ही इसके साथ आतंक भी फैला। अंग्रेज क्राँतिकारियों का मनोबल तोड़कर आत्म समर्पण के लिये विवश भी करना चाहते थे और नाना साहब को जीवित पकड़ना चाहते थे। लेकिन नाना सहाब भी अपनी रणनीति से काम कर रहे थे। अंग्रेजों तो सूचना थी कि नाना सहाब कानपुर में हैं लेकिन वे बिठूर से क्राति का संचालन कर रहे थे। नाना सहाब को पकड़ने के लिये अंग्रेजी सेना ने पहले कानपुर में विध्वंस और नरसंहार किया। यहाँ उन्हें नाना साहब के बिठूर पहुँचने की सूचना मिली। अंग्रेजी सेना फिर बिठूर पहुँची। बिठूर का किला घेर लिया गया। नाना साहब जानते थे कि कानपुर के बाद अंग्रेज बिठूर आयेगें वे बिठूर का किले की नाकाबंदी होने से पहले ही वेश बदलकर निकल गये पर उनके द्वारा गोद ली गई बालिका मैना देवी वहीं किले में रह गई। नाना साहब ने मैना को तब गोद लिया था जब वह बहुत छोटी थी। मैना देवी उसी किला महल में खेल कूद कर बड़ी हुई थी।

यहाँ इतिहासकारों के अलग अलग मत हैं। कुछ का मानना है कि नाना साहब अपनी पुत्री को भी साथ ले जाना चाहते थे पर वह स्वयं जिद करके मैना वहीं रुक गई। जबकि कुछ का मानना है कि मैना देवी बिठूर में पहले से थी। नाना साहब जब वेष बदलकर कानपुर से निकले तब वे बिठूर आये ही नहीं थे। नाना साहब कानपुर से अज्ञातवास को चले गये थे। उन्होंने अज्ञातवास से ही अपने विश्वासपात्र सैनिकों को बालिका को लेने के लिये बिठूर भेजा तब तक देर हो चुकी थी। बिठूर का किला घिर चुका था । कुछ सैनिक बालिका को निकालते किले में प्रविष्ट तो हो गये पर वे बाहर न निकल सके । सत्तीचौरा कांड के बाद बौखलाए अंग्रेजों ने यहाँ भी वही रणनीति अपनाई । न कोई बाहर आ सके और न कोई भीतर जा सके । उन्होंने पानी की सप्लाई भी काट दी थी। अंग्रेज सत्ती चौरा कांड केलिये नाना साहब को ही जिम्मेदार मान रहे थे । इसलिये नाना साहब को बहुत जल्द जिन्दा या मुर्दा पकड़ना चाहते थे। घेरा डालकर अंग्रेज सेना की तोपें गरज उठी । महल लगभग ध्वस्त हो गया । सेना अंदर घुसी। सैनिकों को जो सामने दिखा उसे मौत के घाट उतारा। सारा सामान लूटा और बालिका मैना बाई को पकड़कर सैन्य अधिकारी आउटरम के सामने पेश किया गया । फिर हैवलॉक के सामने लाया गया । अंग्रेजों ने बालिका से नाना साहब का पता पूछा। बालिका जानती ही नहीं थी कि नाना साहब कहाँ हैं। हैवलॉक के आदेश पर बालिका को कठोर यातनाएँ दी गईं । खंबे से बाँधकर गर्म सलाखों से दागा गया । जली हुई त्वाचा पर नमक मिरची डालकर नाना साहब का पता पूछा गया। एक तो बालिका को पता ही न था कि वह नाना साहब कहाँ हैं, दूसरे वह नाना साहब की दत्तक पुत्री थी उसका पालन पोषण स्वाभिमान जागरण के साथ हुआ था।

यातनाओं के बीच भी बालिका ने स्पष्ट और बेझिझक उत्तर दिये । वह अचेत हो गई। अंग- अंग से घायल वह तेरह वर्षीय बालिका दो दिन तक पेड़ से बंधी रही। उसे पानी तक नहीं दिया गया। दो दिन बाद उस पर घासलेट डालकर आग लगा दी गई। वह 3 सितम्बर 1857 का दिन था । जब अंग्रेजों की क्रूरता से इस बालिका का बलिदान हुआ । इसके बाद पूरे महल को तोप से ध्वस्त कर दिया गया। जितने लोग जिन्दा मिले सभी मार डाले गये और नाना साहब का पता बताने वाले को एक लाख रुपए का पुरस्कार देने की घोषणा हुई। पर नाना साहब का पता कभी किसी को न लगा । कुछ इतिहासकारों का मानना है कि नाना साहब नेपाल चले गये थे और वहीं उन्होंने देह त्यागी। जबकि कुछ इतिहासकारों का मानना था कि वे मध्य प्रदेश में पार्वती नदी के किनारे बसे गांव पीलूखेड़ी में साधुवेश में रहे और वहीं उन्होंने देह त्यागी। सत्य जो भी हो किन्तु जिस प्रकार बालिका मैनादेवी का बलिदान हुआ उस वृतांत को पढ़कर आज भी भारतीयों की आँखे नम हो जाती हैं।

प्रधानमंत्री मोदी की चीन यात्रा से भारत को क्या हासिल हुआ ?

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अतुल्य भारत का वैश्विक स्तर पर मान-सम्मान बढ़ा है। इसका सकारात्मक प्रभाव सभी राज्यों के पर्यटन उद्योग पर पड़ा है। देश का घरेलू पर्यटन बढ़ने से मध्य प्रदेश जैसे तेजी से बढ़ते राज्य को सीधा लाभ हुआ है। मध्य प्रदेश के शांतिप्रिय नागरिकों के लिये सबसे ज्यादा खुशी की बात है कि मध्यप्रदेश अब वैश्विक पर्यटन नक्शे पर ध्रुव तारे जैसा चमक रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हालिया चीन यात्रा को केवल औपचारिक शिखर सम्मेलन में उपस्थिति मान लेना भूल होगी। यह यात्रा उस समय हुई है जब भारत-चीन के बीच सीमा पर भरोसे का संकट गहरा है, भारत-अमेरिका संबंध का एक नया पन्ना सामने है और रूस के साथ भारत का ऊर्जा तथा रक्षा सहयोग अभूतपूर्व स्तर तक पहुँचा है। ऐसे परिदृश्य में बीजिंग की धरती पर भारतीय प्रधानमंत्री का उतरना एशियाई राजनीति के बदलते समीकरणों की

चतुर्वेदी

झलक देता है। यह यात्रा भारत की विदेश नीति में आत्मविश्वास और संतुलन दोनों का प्रमाण है। व्यापारिक आँकड़े साफ कहते हैं कि चीन भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है, लेकिन यह रिश्ता बेहद असंतुलित है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत और चीन का द्विपक्षीय व्यापार 127.7 अरब डॉलर तक पहुँचा। इसमें भारत का निर्यात केवल 14.25 अरब डॉलर का रहा, जबकि चीन से आयात 113.45 अरब डॉलर पर पहुँच गया। परिणामस्वरूप व्यापार घाटा 99 अरब डॉलर से अधिक का रहा, जो अब तक का सबसे ऊँचा स्तर है। यह स्थिति भारत की औद्योगिक निर्भरता को उजागर करती है, विशेषकर इलेक्ट्रॉनिक्स, रसायन, फार्मा और ऊर्जा उपकरणों के क्षेत्र में। प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा का एक बड़ा उद्देश्य इसी असंतुलन को कम करता हुआ दिखा है। इस तुलना में रूस के साथ भारत का व्यापारिक समीकरण अपेक्षाकृत संतुलित और अवसरों से भरा हुआ है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत-रूस व्यापार 68.7 अरब डॉलर तक पहुँच गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में कई गुना वृद्धि दर्शा रहा है। इसका मुख्य कारण रूस से बड़े पैमाने पर सस्ते कच्चे तेल का आयात है। ऊर्जा सुरक्षा

सुनिश्चित करने में यह सहयोग भारत के लिए अनिवार्य हो गया है। साथ ही, रूस भारत का पारंपरिक रक्षा सहयोगी है और अंतरिक्ष विज्ञान में भी दोनों देशों की साझेदारी मजबूत है। यूक्रेन युद्ध और पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद भारत ने रूस के साथ अपने रिश्ते को बरकरार रखा है। मोदी की चीन यात्रा से यह संदेश भी गया कि भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता के सिद्धांत पर अडिग है और किसी एक ध्रुव पर झुकने को तैयार नहीं, फिर अमेरिका उस पर कितने ही दबाव बनाने का प्रयास करे। हालांकि ऐसा नहीं है कि जो अमेरिका भारत पर लगातार आर्थिक दबाव बनाने की कोशिशें कर रहा है, उसके साथ भारत के व?यापारिक संबंध कमजोर पड़े हैं, देखा जाए तो लगातार चौथे वर्ष भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना हुआ है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारतझअमेरिका का व्यापार 131.8 अरब डॉलर पर रहा। यह आँकड़ा न केवल चीन से अधिक है बल्कि यह भी दिखाता है कि तकनीकी, सेवा और विनिर्माण क्षेत्र में अमेरिका भारत के लिए सबसे भरोसेमंद बाजार है। संभावित मुक्त व्यापार समझौते और रक्षा प्रौद्योगिकी सहयोग इस रिश्ते को और गहरा करने वाले हैं। इस पृष्ठभूमि में मोदी की बीजिंग यात्रा को अमेरिका भी बारीकी से देख रहा है, उसका अध?ययन कर रहा है, तुलनात?मक रूप से अपने नफा-नुकसान का आकलन कर रहा है। पर यहां जो स?पष?ट संकेत विदेश नीति के स?तर पर दिया गया है वह यही है कि भारत, चीन और रूस के साथ संवाद कायम रखते हुए भी अमेरिका और यूरोप से दूरी नहीं बना रहा। बीजिंग यात्रा का कूटनीतिक संदेश यही है कि भारत वैश्विक शक्ति संतुलन में ह्लसंतुलनकारीह्व की भूमिका निभा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच बातचीत में यह सहमति बनी कि सीमा विवाद को रिश्तों की प्रगति में बाधा नहीं बनने दिया जाएगा। अब यह भले ही एक सामान्य-सा बयान लगे, किंतु इस सच को नकारा नहीं जा सकता है कि गलवान संघर्ष और लद्दाख में जारी तनातनी के बाद यह पहला अवसर रहा, जब शीर्ष नेतृत्व ने इतने स्पष्ट शब्दों में संवाद को प्राथमिकता दी। यात्राओं की बहाली, उड़ानों और वीजा में रियायतें तथा निवेश सहयोग पर चर्चा ऐसे संकेत हैं जो रिश्तों में जमी बर्फ को पिघलाने का प्रयास करते हैं। फिर भी इस यात्रा की सीमाएँ भी हैं। विपक्ष का उठाया गया सवाल मायने रखता है कि व्यापार घाटे का बोझ घटाने की ठोस योजना सामने आए बिना बीजिंग से लौटे वादे केवल प्रतीकात्मक रह सकते हैं। चीनझपाकिस्तान गठजोड़, बेल्ट एंड रोड परियोजना पर मतभेद और हिंद-प्रशांत क्षेत्र की भू-राजनीति ऐसी चुनौतियाँ हैं जिन्हें केवल संवाद से नहीं सुलझाया जा सकता। भारत को आने वाले वर्षों में तीन मोर्चों पर खास ध्यान देने की आवश?यकता है; पहला, चीन पर अपनी औद्योगिक निर्भरता को घटाना; दूसरा, रूस के साथ ऊर्जा और रक्षा सहयोग को दीर्घकालीन ढाँचे में ढालना और तीसरा, अमेरिका व यूरोप के साथ मुक्त व्यापार समझौतों को आगे बढ़ाना, ताकि निर्यात के नए अवसर मिल सकें। मोदी की चीन यात्रा से सबसे बड़ा संदेश यही गया कि भारत अब प्रतिक्रियाशील शक्ति नहीं रहा। वह वैश्विक राजनीति और व्यापार में सक्रिय और आत्मविश्वासी ध्रुव के रूप में उभर रहा है। यह यात्रा इस तथ्य को पुष्ट करती है कि भारत की विदेश नीति अब केवल किसी एक गुट पर निर्भर नहीं, बल्कि बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में संतुलन साधने की दिशा में आगे बढ़ रही है। उसके लिए अपने नागरिकों के हित सर्वोपरि हैं। देश की सुरक्षा और संप्रभुता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा, और ये शक?ति शाली भारत न रुकेगा न किसी अन?य देश के सामने झुकेगा। फिलहाल इस यात्रा के ठोस नतीजे सामने आने में हमें इंतजार करना होगा, क?योंकि समय लगेगा लेकिन इसका प्रतीकात्मक महत्व कम नहीं है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की छवि उस राष्ट्र की बन रही है जो अपने हितों को साधते हुए संवाद और सहयोग की राह खुली रखता है। एशिया की राजनीति में यही संतुलनकारी भूमिका भारत की सबसे बड़ी ताकत बनकर आज उभर रही है।

जैव विविधता से जैव-प्रौद्योगिकी तक: विकसित भारत की नई पहचान

मुगल बादशाहों की शासन शैली ही नहीं उनके परिवार का इतिहास भी बहुत खून-खराबे से भरा है। शाहजहां को भी गद्दी आसानी से नहीं मिली थी। उसने भी बादशाहत के लिए अपने भाई शहरयार और परिवार के कई सदस्यों की हत्या करवाई थी। वही रास्ता औरंगजेब ने अपनाया। शाहजहां का पिता बादशाह जहांगीर के निर्णय अपनी एक बेगम नूरजहां की मुट्ठी में होते थे।

भारत अब केवल अपनी जैव विविधता की धरोहर पर गर्व करने वाला देश नहीं रह गया है, उसने उस धरोहर को विज्ञान, नवाचार और आत्मनिर्भरता की शक्ति में बदलना शुरू कर दिया है। देश में जैव प्रौद्योगिकी अर्थव्यवस्था का नया इंजन बन रही है। पर्यावरणीय संतुलन, रोजगार सृजन और सामरिक स्वतंत्रता का भी प्रमुख आधार बनती जा रही है। हाल ही में केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने बायोई3 नीति के अंतर्गत उच्च-निष्पादन वाले जैव-विनिर्माण प्लेटफार्मों का शुभारंभ किया। एक नजरिए से देखें तो यह कदम स्पष्ट संकेत देता है कि भारत 21वीं सदी में केवल सूचना प्रौद्योगिकी या अंतरिक्ष विज्ञान तक सीमित नहीं रहेगा,

डॉ. निवेदिता शर्मा

यह जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी महाशक्ति बनने का इरादा रखता है। समीक्षात?मक रूप से देखें तो दुनिया के कई देशों के बीच भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी जैव विविधता है। यह विश्व के 17 मेगाडायवर्स देशों में शामिल है। यहां लगभग पैंतालीस हजार से अधिक पौधों की प्रजातियाँ और नब्बे हजार से अधिक पशु प्रजातियाँ पाई जाती हैं। हिमालय की जड़ी-बूटियों से लेकर अंडमान-निकोबार के समुद्री संसाधनों तक, यह जैव संपदा बायोटेक्नोलॉजी के लिए अमूल्य स्रोत है। यही कारण है कि कृषि, औषधि, खाद्य प्रसंस्करण और समुद्री अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में भारत तेजी से अग्रणी भूमिका निभा रहा है। परंपरागत आयुर्वेद और औषधीय पौधों का ज्ञान आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी के साथ मिलकर वैश्विक स्वास्थ्य समाधान प्रस्तुत कर रहा है। इस क्षेत्र में भारत की प्रगति पिछले एक दशक में असाधारण रही है। 2014 में देश की जैव-अर्थव्यवस्था लगभग दस अरब डॉलर के आसपास थी। 2023 तक यह बढ़कर डेढ़ सौ अरब डॉलर तक पहुंच गई और मार्च 2025 तक इसका आकार लगभग एक सौ पैंसठ अरब डॉलर हो गया। यह अब भारत की जीडीपी में चार प्रतिशत से अधिक का योगदान करती है और पिछले चार वर्षों में औसतन अठारह प्रतिशत की दर से बढ़ी है। सरकार का लक्ष्य है कि 2030 तक इसे तीन सौ अरब डॉलर तक ले जाया जाए। यह लक्ष्य अब अवास्तविक नहीं लगता क्योंकि बायोटेक स्टार्टअप्स की संख्या ही गवाही दे रही है। जहां 2014 में इनकी संख्या मात्र पचास थी, वहीं 2024 तक यह बढ़कर दस हजार से अधिक और 2025 में ग्यारह हजार तक पहुँच गई। इन स्टार्टअप्स को देश भर में सौ से अधिक इनक्यूबेटर और बीआईआरएसी जैसी संस्थाओं का समर्थन प्राप्त है। इस सब के सार्थक परिणाम यह है कि भारत अब वैश्विक मानचित्र पर भी अपनी छाप छोड़ रहा है। विश्व की 121 प्रमुख जैव कंपनियों में से 21 भारत में स्थित हैं। यह उपलब्धि उस देश के लिए विशेष महत?व रखती है जिसे कभी तकनीकी अनुसरणकर्ता माना जाता था। हैदराबाद का नाम दुनिया के सात सबसे बड़े लाइफ-साइंसेज क्लस्टर्स में शामिल हो चुका है जहां पचपन हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आया है और दो लाख से अधिक नए रोजगार बने हैं। कर्नाटक राज्य ने अकेले ही तीस अरब डॉलर का बायो-आर्थिक योगदान दिया है और निकट भविष्य में तीस हजार अतिरिक्त रोजगार सृजित करने का लक्ष्य रखा है। असम पहला राज्य है जिसने बायोई3 पहल को पूरी तरह से अपनाया है और पूर्वोत्तर को जैव प्रौद्योगिकी का नया केंद्र बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया है। यहां समझ लीजिए कि बायोई3 नीति का प्रभाव केवल आर्थिक नहीं है, यह सामाजिक और पर्यावरणीय दृष्टि से भी उतना ही महत?वपूर्ण है। स्मार्ट प्रोटीन, टिकाऊ कृषि, कार्बन कैप्चर, समुद्री जैव प्रौद्योगिकी और कोशिका एवं जीन थेरेपी जैसे क्षेत्र न केवल वैज्ञानिक अनुसंधान को प्रोत्साहित करेंगे बल्कि भारत को आयात पर निर्भरता से भी मुक्त करेंगे। पेट्रोलियम आयात को घटाने के लिए ईथेनॉल मिश्रण का प्रयास इसका उदाहरण है। 2014 में पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण मात्र डेढ़ प्रतिशत था जो 2024 में पंद्रह प्रतिशत तक पहुँच गया। इसके कारण लगभग सत्रह मिलियन टन कच्चे तेल के आयात से बचाव हुआ और करीब एक लाख करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा की बचत हुई। इस साल के अंत के बाद जो आंकड़े आएंगे, उम्मीद है कि यह पंद्रह प्रतिशत से बढ़कर ही आएंगे। जैव प्रौद्योगिकी का महत्व कोविड-19 महामारी के दौरान और भी स्पष्ट हो गया जब भारत ने रिकॉर्ड समय में वैक्सीन विकसित कर पूरी दुनिया को आपूर्ति की। जिन देशों ने समय पर वैक्सीन प्राप्त की, उनमें भारत की भूमिका निर्णायक रही। इससे यह स्पष्ट हो गया कि जैव प्रौद्योगिकी आज विज्ञान से आगे भू-राजनीतिक शक्ति का भी स्रोत बन चुका है। फिर भी चुनौतियाँ कम नहीं हैं। अभी भी वेक्टर और प्लास्मिड जैसे आवश्यक बायोलॉजिकल इनपुट्स का उत्पादन देश में सीमित है। प्रोबायोटिक्स जैसे क्षेत्रों में नियामकीय बाधाएँ उद्यमियों को परेशान करती हैं। अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए निजी निवेश और विदेशी सहयोग को और बढ़ाना होगा। कॉन्ट्रैक्ट ड्रग मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में भारत के सामने बड़ा अवसर है परंतु चीन जैसे देशों से प्रतिस्पर्धा के लिए लागत और नीति में लचीलापन आवश्यक होगा। शिक्षा और उद्योग के बीच सहयोग को गहरा करना भी अत्यंत आवश्यक है। विश्वविद्यालयों और अनुसंधान केंद्रों में जो ज्ञान उत्पन्न होता है, उसे तभी सार्थक बनाया जा सकता है जब वह उद्योग और समाज तक पहुँचे। स्टार्टअप्स को केवल शुरूआती समर्थन ही नहीं, बल्कि दीर्घकालिक निवेश, वैश्विक साझेदारियाँ और मजबूत नैदानिक मान्यता भी चाहिए। सरकार का कार्य बीज बोना है परंतु उद्योग जगत को उसे फलने-फूलने योग्य बनाना होगा। वर्तमान में भारत की जैव विविधता, उसकी पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली और आधुनिक वैज्ञानिक क्षमता मिलकर एक ऐसा परिदृश्य रच रहे हैं जिसमें भारत आत्मनिर्भर होगा ही साथ ही वह वैश्विक नेता भी बनेगा। अफ्रीका और एशिया के विकासशील देशों के लिए भारत टिकाऊ कृषि, सस्ती दवाएं और पर्यावरणीय समाधान उपलब्ध कराएगा। इससे भारत की छवि केवल विज्ञान और प्रौद्योगिकी तक सीमित नहीं रहेगी बल्कि वह अंतरराष्ट्रीय सहयोग का अग्रणी देश भी बनेगा। यदि हम अपनी विविधता को जिम्मेदारी से प्रौद्योगिकी और नवाचार में बदल सकें तो जैव प्रौद्योगिकी वास्तव में आत्मनिर्भर और विकसित भारत की आधारशिला बन सकती है। जैसे 1990 के दशक में सूचना प्रौद्योगिकी ने भारत की वैश्विक छवि को बदला था, वैसे ही आज जैव प्रौद्योगिकी उसी परिवर्तन का नया साधन बनने जा रही है। आने वाले वर्षों में बीटी यानी बायोटेक्नोलॉजी वह शब्द होगा जो भारत की विकासगाथा को परिभाषित करेगा। यह केवल अर्थव्यवस्था को नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, कृषि, पर्यावरण और कूटनीति सभी को प्रभावित करेगा। इन सभी तथ?यों के प्रकाश में आप कह सकते हैं कि स्वतंत्रता की शताब्दी की ओर बढ़ते भारत के लिए यही वह क्षेत्र है जो विकसित भारत के सपने को साकार करने की शक्ति रखता है।

(लेखिका, सामाजिक कार्यकर्ता हैं।)

वामन जयंती पर करें भगवान विष्णु की पूजा

हिन्दू पंचांग के अनुसार, भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की द्वादशी तिथि को भगवान विष्णु के वामन अवतार का जन्मोत्सव वामन जयंती के रूप में मनाया जाता है। यह दिन धर्म की स्थापना और अधर्म के विनाश का प्रतीक है। वामन जयंती विशेष रूप से उत्तर भारत में और वैष्णव मतावलंबियों के बीच बड़े श्रद्धा और उत्साह से मनाई जाती है।

वामन अवतार की पौराणिक कथा

त्रेतायुग में महाबली राजा बलि अपने पराक्रम और दानशीलता के कारण प्रसिद्ध थे। उन्होंने इंद्रलोक तक पर विजय प्राप्त कर ली थी, जिससे देवता भयभीत हो गए। तब भगवान विष्णु ने वामन अवतार, अर्थात एक बौने ब्राह्मण बालक का रूप धारण किया। वामन भगवान ने बलि से तीन पग भूमि दान में मांगी। पहले पग में उन्होंने पृथ्वी को नापा। दूसरे पग में आकाश को। तीसरे पग के लिए स्थान न बचा, तो बलि ने अपना सिर अर्पित कर दिया। इस प्रकार भगवान ने बलि को पाताल लोक भेजकर देवताओं को उनका अधिकार वापस दिलाया।

वामन जयंती का धार्मिक महत्व

यह दिन विष्णु भगवान की भक्ति और धर्म की पुनः स्थापना का प्रतीक है। वामन अवतार सिखाता है कि अहंकार का पतन निश्चित है और विनम्रता से ही व्यक्ति महान बनता है। बलि का चरित्र यह संदेश देता है कि दान और वचनबद्धता व्यक्ति को अमर बना देते हैं।

वामन जयंती व्रत और पूजा विधि

प्रातःकाल स्नान कर व्रत का संकल्प लें।

भगवान विष्णु के वामन स्वरूप की प्रतिमा या चित्र स्थापित करें।

पीले पुष्प, तुलसीदल, पंचामृत, चंदन, धूप, दीप और फल अर्पित करें।

विष्णु सहस्रनाम और वामन अवतार की कथा का पाठ करें। व्रतधारी इस दिन उपवास रखकर संध्या के समय दान-पुण्य करके व्रत का समापन करते हैं।

सांस्कृतिक और सामाजिक महत्व

वामन जयंती हमें संयम, भक्ति और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। यह पर्व यह भी सिखाता है कि सत्ता या बल से अधिक महत्वपूर्ण है धर्म और विनम्रता। समाज में दान और वचन की महत्ता का यह उत्कृष्ट उदाहरण है। वामन जयंती केवल भगवान विष्णु की आराधना का दिन ही नहीं, बल्कि यह हमें विनम्रता, सत्य और धर्म के महत्व को समझाने वाला पर्व है। यह दिन याद दिलाता है कि चाहे कोई कितना भी बलशाली क्यों न हो, अंततः धर्म ही सर्वोपरि होता है।

टिप्स

अब इंजेक्शन से घटेगा वजन, भारत में 'वेगोवी' लॉन्च

आज के समय में सभी उम्र के लोगों में बढ़ते वजन की समस्या देखी जा सकती है। हेल्थ एक्सपर्ट की मानें, तो मोटापा एक गंभीर वैश्विक स्वास्थ्य संकट है, जोकि सभी उम्र के लोगों को प्रभावित कर रही है। वैश्विक स्तर पर देखें, तो एक अरब से ज्यादा लोग मोटापे का शिकार हैं। साल 1975 के बाद से मोटापे की व्यापकता तीन गुना से ज्यादा है। साल 2023 के आंकड़ों पर नजर डालें, तो भारत में मोटापे की समस्या काफी तेजी से बढ़ रही है।

बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक सभी इस समस्या का शिकार हो रहे हैं। वहीं बच्चों के मोटापे के मामलों में 8.4% वृद्धि हुई है। लोगों को मोटापे की इस बढ़ती समस्या से बचाने के लिए नोवो नॉर्डिस्क ने भारत में वेगोवी नामक इंजेक्शन लॉन्च किया है। यह दावा किया जा रहा है कि मोटापे की समस्या को कंट्रोल करने और इसकी वजह से होने वाली हार्ट की समस्याओं को कम करने में सहायता मिल सकती है।

वजन कंट्रोल करने वाली दवा- वेगोवी

डेनिश दवा निमार्ता नोवो नॉर्डिस्क ने भारत में अपनी वजन घटाने वाली दवा वेगोवी लॉन्च की है। वेगोवी में सेमाग्लूटाइड है, जोकि भूख को कंट्रोल करने में मदद करती है। इससे आप ओवरईटिंग से बच सकते हैं। बता दें यह भारत में लॉन्च की गई पहली दवा है, जिसे मोटापा ग्रस्त लोगों में दीर्घकालिक रूप से वेट कंट्रोल करने और हृदय संबंधित खतरों को घटाने में मददगार हो सकती है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

फसल सुरक्षा के बारे में किसानों को जागरूक करना है : सेवेटेरियन हांसदा

संवाददाता

साहिबगंज:राजमहल प्रखंड के सभागार कक्ष में आज प्रखंड स्तरीय एक दिवसीय खरीफ कार्यशाला का आयोजन प्रखंड प्रमुख महोदय की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य श्री रणधीर सिंह एवं अब्दुल बारीक, प्रखंड विकास पदाधिकारी मोहम्मद यूसुफ सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। कार्यशाला का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया।कार्यक्रम के दौरान सरकार की ओर से चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई, जिनमें प्रमुख रूप से किसान समृद्धि योजना

बीज विनिमय एवं वितरण योजना,धान अधिप्राप्ति योजना,झारखंड कृषि ऋण माफी योजना, झारखंड मिट्टी मिशन योजना,मुद्रा स्वास्थ्य कार्ड योजना,किसान क्रेडिट कार्ड योजना,प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना,बीज परीक्षण योजना,डिजिटल क्रॉप सर्वे एवं फसल क्षति आकलन,के संबंध में विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान की गई।इस अवसर पर प्रभारी कृषि पदाधिकारी सेवेटेरियन हॉसदा, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी कैलाश वर्मा, बीटीएम संजय कृष्ण रंजन, एटीएम रूबी खातून, एग्रो विलेनिक के प्रखंड समन्वयक निकेश कुमार, किसान मित्र, जनसेवक, मुखिया, पंचायत समिति सदस्य एवं प्रगतिशील किसान बड़ी संख्या में उपस्थित थे।इस कार्यशाला के आयोजन का उद्देश्य किसानों को खरीफ मौसम में आधुनिक कृषि तकनीक, योजनाओं के लाभ और फसल सुरक्षा के बारे में जागरूक करना था ताकि किसान अधिक उत्पादन कर सकें और आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें।

8 कमरे का विद्यालय भवन निर्माण का होगा निर्माण : डीसी

संवाददाता

साहिबगंज/तालझारी:प्रखंड क्षेत्र मे बीते रात को हुई तेज आंधी तूफान में उत्क्रमित मध्य विद्यालय भातभंगा पहाड़ का भवन का समूचा छत तेज आंधी में उड़ कर फेंका गया।इससे कुछ साल पहले भी चार कमरे का टिना,छदरा का छत तेज आंधी तूफान में उखड़ कर उड़ गया था।बाकी बचे चार कमरों में ही बच्चों की पढ़ाई लिखाई होती थी जो की अब मुश्किल में पड़ गया है।विदित हो की उपायुक्त साहिबगंज ने भातभंगा पहाड़ दौरा के क्रम में स्कूल भवन की स्थिति को देखते हुए 8 कमरे का विद्यालय भवन निर्माण की बात कही थी और संबंधित जेई ने भी स्थल चिन्हित करते हुए मापी भी की थी ।और निर्माण कार्य जल्द शुरू करने की आश्वासन दी थी।ग्रामीण मोडे मांझी सह विद्यालय प्रबंध समिति ऊ.म.वि. भातभंगा पहाड़ के अध्यक्ष जुवेल मालतो एवम ग्रामीणों का जिला प्रशासन एवम स्थानीय प्रशासन से अनुरोध भी किया है। कि बच्चों की पढ़ाई जारी रखने लिए क्षति ग्रस्त विद्यालय भवन की तत्काल मरम्मती करने हेतु उचित कदम उठाते हुए किचन व शौचालय जैसी सुविधा से सुविधायुक्त नए विद्यालय भवन निर्माण हेतु शीघ्र पहल करने की कृपा करें। ताकि स्थाई समाधान मिले और बच्चों की पढ़ाई बाधित न हो।

बेगमगंज में नौका रेस प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बेगमगंज अब्दुल माजेद घाट तक नौका रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में राजमहल विधायक प्रतिनिधि मो. मारूफ उर्फ गुड्डू, केंद्रीय समिति सदस्य एखलाकुर रहमान, जिला सह सचिव काजू मल्लिक, प्रखंड अध्यक्ष अयूब अली एवं सचिव विश्वजीत मंडल मौजूद रहे। सभी अतिथियों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। समिति की ओर से मुख्य अतिथियों का फूल-मालाओं से भव्य स्वागत किया गया।नौका रेस को लेकर घाट पर उत्सुकता का माहौल देखने लायक था। प्रतियोगिता के दौरान हजारों की संख्या में स्थानीय लोग, ग्रामीण और दर्शक जुटे। इस प्रतियोगिता में कुल 6 टीमों ने हिस्सा लिया। नाविकों ने लहरों को चीरते हुए अपनी पूरी ताकत और कौशल का प्रदर्शन किया। बेगमगंज की मेसर टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता में विजेता का खिताब अपने नाम किया। वहीं श्रीधर कॉलोनी 10 नंबर टीम ने कड़ा मुकाबला करते हुए उपविजेता स्थान हासिल किया।विजेता और उपविजेता टीमों को मुख्य अतिथियों ने ट्रॉफी और पुरस्कार प्रदान किए तथा खिलाड़ियों के जज्बे की जमकर सराहना की। मुख्य अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि इस तरह की परंपरागत खेल प्रतियोगिताएं न सिर्फ ग्रामीण संस्कृति और एकता को मजबूत करती हैं, बल्कि युवाओं में खेल भावना और आपसी भाईचारे को भी बढ़ावा देती हैं। मौके पर जहांगीर अली, बादल सरकार सहित कई स्थानीय जनप्रतिनिधि, समाजसेवी और बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

राजस्व कर्मचारियों की गलत रिपोर्ट के कारण आज तक ग्रामीण को मुआवजा नहीं मिला

फोरलेन सड़क के लिए अधिग्रहण की गई मकान का मुआवजा राशि कम मिलने पर ग्रामीण हुए गोलबंद

संवाददाता

साहिबगंज:सदर प्रखंड हाजीपुर पश्चिमी पंचायत डिहारी गांव के ग्रामीणों की संयुक्त बैठक मंगलवार को हुई।इस बैठक में मिजाचौकी से फरक्का तक राष्ट्रीय उच्च मार्ग-80 फोरलेन सड़क बनाने को लेकर अधिग्रहण किये गए भूमि पर बने मकान की मुआवजा राशि कम मिलने को लेकर चर्चा की गई।बैठक में ग्रामीणों ने कहा कि फोरलेन सड़क का मुआवजा राशि बहुत कम है।जितना मकान का मुआवजा मिल रहा है,उस राशि से फिर से मकान बनाना मुश्किल हो जाएगा।क्योंकि बाजार मूल्य से कम मुआवजा मिल रहा है।इस मामलों में,राजस्व कर्मचारियों की गलत रिपोर्ट के कारण आज तक ग्रामीण को मुआवजजा नहीं मिल पा रहा हैं और मुआवजे के नाम पर केवल उनलोगो को सिर्फ आश्वासन ही मिल रहा है।बैठक में ग्रामीणों ने निर्णय लिया कि मकान की मुआवजे राशि वर्तमान दर के आधार पर मुआवजा राशि बढ़ाकर देने की मांग सरकार से करेंगे.वही ग्रामीणों ने कहा कि यदि विभाग हमारी मांगे पूरी नहीं करती हैं तो वें लोग उच्च न्यायालय की शरण में जाएंगे।मौके पर डब्लू ओझा , जय प्रकाश ओझा,गणेश ओझा,भरत लाल यादव,योगेश्वर प्रसाद यादव,संजय यादव,अशोक यादव,राजबाबू,पीयूष यादव,मनोज यादव,भीषण यादव धर्मराज यादव,जितेंद्र यादव,राजेश यादव,रोशन यादव,गोरख यादव,अमित यादव प्रिंस यादव सोनेलाल यादव सहित कई लोग मौजूद थे।

प्रजातांत्रिक के प्रखंड अध्यक्ष का चुनाव पुनर्गठन करने को लेकर चर्चा

संवाददाता

साहिबगंज/बोरियोः:प्रखंड क्षेत्र के अंतर्गत खेरवा पंचायत में सरवन ठाकुर आवास परिसर में झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक की बैठक जिला उपाध्यक्ष शिवलाल ठाकुर की अध्यक्षता में हुई।इस बैठक में केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव और केंद्रीय उपाध्यक्ष फूल कुमारी देवी उपस्थित हुए।बैठक मे झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक के प्रखंड अध्यक्ष का चुनाव पुनर्गठन करने को लेकर चर्चा किया गया।जिसमे प्रखंड अध्यक्ष दिलीप हांसदा व प्रखंड महामंत्री अभिजीत कुमार रक्षित को मनोनीत किया गया।बैठक में केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव ने कहा कि झारखंड मजदूर संघ गरीब मजदूर वंचित वर्ग का उत्थान के लिए एक संगठन है।जो संघ के नियमों के अनुरूप सदस्यों को चलना और श्रम कानून के तहत मिलने वाली सुविधाओं के बारे में मजदूरों को जानकारी देना है। इस मौके पर पिनाकी रंजन सेन,बुद्ध राय,टुडू बबलू मरांडी,चार्ल्स मुर्मू,गोपाल दास सहित अन्य लोग मौजूद थे।

किराना दुकान से चोरी करने का आरोपी गिरफ्तार

मेदिनीनगर : पलामू जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के चांदो गांव में शुक्रवार को दिन में किराना दुकान से 310 रुपया चोरी करने के आरोपी अमित कुमार गुप्ता उर्फ सोनी को गिरफ्तार कर लिया गया है। चांदो गांव निवासी अमित कुमार गुप्ता उर्फ सोनी से पूछताछ के बाद मंगलवार को जेल भेज दिया गया है। चैनपुर थाना प्रभारी श्रीराम शर्मा ने बताया कि चांदो गांव निवासी सुरेश यादव की पत्नी गीता देवी के आवेदन के आधार पर मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार करते हुए जेल भेजा गया है। उन्होंने बताया कि आवेदन के अनुसार चांदो गांव में किराना दुकान संचालक करती है। शाम करीब 4 बजे दुकान के काउंटर से 310 रुपए चोरी कर भाग गया। लोगों से पकाने का प्रयास किए पर वह पकड़ा नहीं जा सका। उन्होंने बताया कि चैनपुर थाना में आवेदन देते हुए मामला दर्ज कराया था जिसके आलोक में आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा रहा है।

तालझारी ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए दो गोल से बरहरवा को दिया मात

संवाददाता

साहिबगंज: झारखंड शिक्षा परियोजना द्वारा आयोजित खेलो झारखंड जिला स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता के आज पांचवे दिन अंडर 17 बालक और बालिका का फुटबॉल मैच खेला गया जिसमें पहले मैच में उड़वा दूसरे मैच में बड़हरवा ने और तीसरे मैच में तालझारी चौथे मैच में बरहेट में क्वालीफाई किया पहले सेमीफाइनल में उध्वा और बरहरवा के बीच मैच खेला गया जिसमें बरहरवा विजय घोषित किया गया और दूसरे सेमीफाइनल में तालझारी और बरहेट के बीच मैच हुआ जिसमें तालझारी 4 - 2 से विजेता हुई । फाइनल मैच बरहरवा और तालझारी के बीच खेला गया जिसमें तालझारी ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए दो गोल से बरहरवा को मात दिया और राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया।

वहीं बालक वर्ग में पहला मैच में तालझारी विजेता घोषित हुआ दूसरे मैच में राजमहल ने पतना को दो एक से हराकर अगले चरण में प्रवेश किया ,तीसरे मैच में मंडरो ने बोरियों को पांच चार से मात देकर अगले राउंड में प्रवेश किया ।वहीं चौथे मैच में बरहेट ने बरहरवा हराया।सेमीफाइनल मैच में मंडरो और उधवा के बीच में मैच खेला गया जिसमें उन्होंने पेनाल्टी शूटआउट में उधवा ने 3- 2 से हराया वहीं दूसरी ओर बरहेट और राजमहल के बीच सेमीफाइनल मैच खेला गया जिसमें बरहेट ने राजमहल को 2- 0 से हराया । फाइनल मैच बरहेट और उधवा के बीच खेला गया जिसमें उधवा ने बरहेट को शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 5- 4 से शिकस्त दी।पुरस्कार वितरण समारोह में ए पी ओ शबनम तबस्सुम ने विजेताओं को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया और आगे के लिए शुभकामनाएं दी ।कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले जिले के शारीरिक शिक्षक वीरेंद्र कुमार, बमबम कुमार ,आदित्य कुमार, शंभू राय ,सत्येंद्र शाह ,प्रियंका कुमारी ,विजय भान सिंह, जूली मुर्मू ,दीपक कुमार मंडल, दीपक कुमार सिंह मनोज कुमार ,राकेश कुमार राका, ज्योति पन्ना ,लूसी कुमारी ,नवनीत कुमार, नितीश कुमार दास ,सुनील कुमार ,सुजीत मलिक ,रीना रोजलाना, धारणिकांत बर्मन, विवेक कुमार, विनय चौरसिया ,दिवाकर सिंह अनुज कुमार ,सोनेलाल मंडल ,दिवाकर दुबे ,चंद्रकांत गौतम ,जूली मुर्मू ,राजीव कुमार ,अरुण कुमार दास, दीपक सिंह, सरिता कुमारी, संजय कुमार ,नीरू सोरेन ,लूसी किस्कू , स्वीकृति शाह, ज्योति पन्ना, सद्र आलम , खुर्शीद आलम आदि का अहम योगदान रहा।

न्यूज IN ब्रीफ

पंचायत सचिव के बिना चल रहा पंचायत, कामकाज प्रभावित

साहिबगंज/उधवा : उधवा प्रखंड अंतर्गत पश्चिमी उधवा पंचायत पिछले दो महीनों से पंचायत सचिव के अभाव में संचालित हो रहा है। सचिव न रहने के कारण पंचायत के अधिकांश कार्य प्रभावित हो रहे हैं और आम जनता को हर तरह के कार्यों के लिए परेशान होना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार दो माह पूर्व तक इस पंचायत में पंचायत सचिव नकुल कुमार पदस्थापित थे। लेकिन उनके हटने के बाद से यह पंचायत सचिव विहीन हो गया। सचिव के अभाव में योजनाओं से लेकर विकास कार्य और आम लोगों के प्रमाण पत्र संबंधी कार्य प्रभावित हो रहे हैं। पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि मो. यासीन ने बताया कि पंचायत सचिव नहीं रहने की शिकायत बीडीओ से करने पर एक जनसेवक को इस पंचायत का प्रभार दिया गया था। लेकिन महीना बीत जाने के बाद भी उन्होंने पदभार ग्रहण नहीं किया। इसके बाद बीडीओ के आदेश पर जनकदेव यादव को नया पंचायत सचिव नियुक्त किया गया। सूत्रों के अनुसार 1 सितंबर को जनकदेव यादव पंचायत सचिवालय पहुंचे, जहां मुखिया और उनके प्रतिनिधि ने उनका स्वागत भी किया। लेकिन पदभार ग्रहण करने के लिए घंटों इंतजार करने के बाद भी उन्हें कार्यभार नहीं सौंपा गया। इसी बीच पूर्व सचिव नकुल कुमार मौके पर पहुंचे और पदभार देने से इनकार कर दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि नकुल कुमार पश्चिमी उधवा पंचायत में बने रहने के लिए ऊपरी स्तर पर पैरवी कर रहे हैं, जिसकी वजह से नए सचिव को अब तक कार्यभार नहीं दिया जा सका है।पंचायत के लोगों का कहना है कि सचिव की अनुपस्थिति से पेंशन, राशन कार्ड, आवास योजना और मनरेगा जैसी योजनाओं के कार्य पूरी तरह ठप हो चुके हैं। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से इस मामले में हस्तक्षेप कर शीघ्र समाधान की मांग की है।

उधवा स्वास्थ्य केंद्र और नर्सिंग होम में अग्निशमन विभाग का हुआ मॉक ड्रिल

साहिबगंज/उधवा : अग्निशमन सेवाओं के महानिदेशक एम. एस. भाटिया के निर्देश पर मंगलवार को उधवा प्रखंड क्षेत्र में अग्नि सुरक्षा को लेकर विशेष मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व अनुमंडलीय अग्नि सुरक्षा प्रभारी पदाधिकारी सुमंत कुमार सिंह चौहान ने किया। मॉक ड्रिल का आयोजन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र उधवा और न्यू नर्सिंग होम में किया गया। इस दौरान अग्नि सुरक्षा अधिकारियों ने उपस्थित कर्मियों और आम लोगों को आग लगने की स्थिति में तत्काल बचाव के तरीके विस्तार से बताए। साथ ही आगजनी की घटनाओं से निपटने के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। पदाधिकारी सुमंत कुमार सिंह चौहान ने बताया कि घरों, विद्यालयों और दफ्तरों में आग लगने पर घबराने के बजाय तुरंत अग्निशमन यंत्र का प्रयोग करना चाहिए। गैस सिलेंडर के इस्तेमाल के दौरान सतर्कता जरूरी है,खासकर सिलेंडर की एक्सपायरी डेट की जांच करना।सिलेंडर में आग लगने पर गीले सूती कपड़े या अग्निशमन यंत्र का इस्तेमाल करके तुरंत आग बुझाई जा सकती है।अधिकारियों ने मौके पर सिलेंडर में कृत्रिम रूप से आग लगाकर अग्निशमन यंत्र, गीले कपड़े और अन्य उपायों का लाइव प्रदर्शन किया। इस अभ्यास को देखकर लोगों ने भी आग बुझाने के तरीकों को सीखा और व्यावहारिक अनुभव हासिल किया। कार्यक्रम में अग्निशमन विभाग के अग्नि चालक मो. सजलीम, अविनाश कुमार सिंह, बीपीएम अनिल पाल, व्यावसायिक महताब आलम, शमशुल हक सहित कई लोग उपस्थित थे।

बांस की सीढ़ी में फिसलने से एक युवक की मौत

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना क्षेत्र के राधानगर गांव में 35 वर्षीय मजदूर संजय घोष की असमय मौत की खबर से गांव में शोक ली लहर दौड़ गई है। संजय की मौत रविवार देर रात झारखंड के टाटा जमाल बाजार क्षेत्र में हो गई। जानकारी के अनुसार, संजय घोष विगत माह गांव के कुछ अन्य मजदूरों के साथ दादन (ठेका पर काम) के लिए टाटा गया हुआ था। वहां वह भवन निर्माण कार्य में मजदूरी कर रहा था। बताया जाता है कि रविवार की रात काम के दौरान वह अचानक बांस की सीढ़ी से फिसलकर नीचे गिर पड़ा, जिससे उसके सिर पर गंभीर चोट लग गई।गंभीर रूप से घायल संजय को तत्काल स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने उसे बचाने की भरसक कोशिश की, लेकिन उपचार के दौरान ही उसकी मौत हो गई। मौत की आधिकारिक वजह अभी साफ नहीं हो पाई है लेकिन परिजनों और स्थानीय लोगों का कहना है कि सिर की गंभीर चोट ही मौत का कारण बनी। संजय की मौत की खबर मिलते ही उसके पैतृक गांव राधानगर में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया जाता है कि परिवार का भरण-पोषण काफी हद तक संजय पर ही निर्भर था। उसकी असमय मौत ने परिवार को गहरे संकट में डाल दिया है।शव को फिलहाल पोस्टमार्टम के लिए रखा गया है। बुधवार को पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। उधर, संजय के परिजन शव लाने के लिए टाटा रवाना हो चुके हैं। शव आने के बाद गांव में अंतिम संस्कार किया जाएगा।

बीडीओ ने मोहनपुर पंचायत में अबुआ आवास योजना का किया निरीक्षण

साहिबगंज/उधवा : उधवा प्रखंड क्षेत्र के मोहनपुर पंचायत में मंगलवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचल अधिकारी जयंत कुमार तिवारी ने अबुआ आवास योजना के अंतर्गत निमार्णाधीन आवासों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने लाभुकों को आवास कार्य समय पर पूर्ण करने का सख्त निर्देश दिया। निरीक्षण के क्रम में बीडीओ ने लाभुक पुराण किस्कू, ठकरानी हेंब्रम, महादेव हांसदा और बबलू मुर्मू के घरों का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि इन लाभुकों को छत ढलाई की राशि तो मिल चुकी है, लेकिन इसके बावजूद आवास निर्माण कार्य अधूरा छोड़ दिया गया है। इससे पहले भी नोटिस जारी कर उन्हें काम पूरा करने का निर्देश दिया गया था।लाभुकों ने मौके पर भरोसा दिलाया कि वे एक सप्ताह के भीतर आवास निर्माण पूरा कर देंगे। बीडीओ ने स्पष्ट कहा कि यदि निर्धारित समय सीमा में कार्य नहीं हुआ तो विभागीय कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान मनरेगा बीपीओ प्रियरंजन कुमार, ग्राम रोजगार सेवक सह आवास प्रभारी राम प्रसाद चौधरी, बीएफटी सद्दाम हुसैन, जितेन मंडल और ग्राम रोजगार सेवक विद्युत मिर्धा समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

इच्छुक विद्यार्थी के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं : डॉ.ध्रुब

साहिबगंज:-इग्नू क्षेत्रीय कार्यालय, देवघर के निदेर्शानुसार,इग्नू अध्ययन केंद्र-3605,साहिबगंज महाविद्यालय के समन्वयक डॉ.ध्रुब ज्योति कुमार सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि इग्नू में जुलाई 2025 सत्र के लिए नव नामांकन की अंतिम तिथि 15 सितम्बर 2025 तक विस्तारित कर दी गई है।उन्होंने कहा की इच्छुक विद्यार्थी के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।श्री सिँह ने कहा की विधार्थी इन विषयो मे जैसे स्नातकोत्तर मे अंग्रेजी हिंदी इतिहास राजनीति विज्ञान,समाजशास्त्र,अर्थशास्त्र,लोकप्रशासन ग्रामीणविकास,संस्कृत,उर्दू,बी.एअंग्रेजी,हिंदी,इतिहास,राजनीति विज्ञान,समाजशास्त्र,अर्थशास्त्र,लोक प्रशासन मनोविज्ञान एवं बी कॉम बी.एससी, .सीए एवं डिप्लोमा इन रूरल डेवलपमेंट,डीईसीई,डीनएचई मे नामांकन लें सकते है।

अशनूर कौर ने की

‘बिग बॉस 19’ में एंट्री, फैंस को कहा शुक्रिया

‘बिग बॉस 19’ का आगाज हो चुका है। इनमें ये रिश्ता क्या कहलाता है की अदाकारा अशनूर कौर भी शामिल हैं। रविवार को उन्होंने बीबी हाउस में प्रवेश किया। इंस्टाग्राम पर अशनूर की एक वीडियो क्लिप साझा की गई है, जिसमें वे प्रशंसकों का आभार जता रही हैं। इस क्लिप में उन्होंने बिग बॉस जाने से पहले की तैयारियों की एक झलक भी दिखाई है। अशनूर कौर ‘बिग बॉस 19’ की सबसे युवा प्रतिभागी हैं। उन्होंने शो में प्रवेश करने के बाद इसे जीतने की इच्छा भी जाहिर की थी। अशनूर की टीम ने ये वीडियो शेयर करते हुए लिखा, आपके प्यार, दुआओं और साथ से आखिरकार अशनूर कौर ने बिग बॉस के घर में एंट्री कर ली है। जो फैंस उन्हें चार साल की नन्ही बच्ची से आज तक बढ़ते देख रहे हैं, उनके लिए यह खास मौका है, पहली बार रियलिटी टीवी पर असली अशनूर को देखने का, जो खूबसूरत, बेबाक और बहुत भावुक भी हैं। हम बेहद खुश हैं कि आप सभी इस सफर का हिस्सा बने हैं और अपने सपोर्ट से इसे और यादगार बना रहे हैं। अशनूर को चीयर करते रहिए, अपना प्यार बांटते रहिए और तैयार हो जाइए ढेर सारी नई और अनमोल यादों के लिए। अब असली रोमांच की शुरुआत होती है। इस वीडियो में अशनूर ने ये बताया कि जब तक वो ये वीडियो देखेंगे तब तक वह शो में प्रवेश कर चुकी होंगी। साथ ही उन्होंने फैंस को इतना सारा प्यार और सपोर्ट देने के लिए धन्यवाद भी कहा है। यह वीडियो उन्होंने बिग बॉस हाउस में जाने से पहले बनाया था। अशनूर कौर ने अपना करियर छोटी उम्र में ही शुरू कर दिया था। उन्होंने 2009 में ऐतिहासिक टीवी सीरियल झांसी की रानी से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वो साथ निभाना साथिया, शोभा सोमनाथ की, ना बोले तुम ना मैंने कुछ कहा, और बड़े अच्छे लगते हैं जैसे सीरियल्स में काम कर चुकी हैं। ‘बिग बॉस’ में आने से पहले उन्होंने ‘सुमन इंदौरी’ टीवी सीरियल में मुख्य अभिनेत्री के किरदार में लोगों को खूब पसंद आई थीं। इस सीरियल में अशनूर के साथ टीवी की मशहूर एक्ट्रेस अनीता हसनंदानी भी नजर आई थीं। ‘बिग बॉस 19’ का प्रीमियर जियो सिनेमा और कलर्स टीवी पर हो चुका है। जियो सिनेमा पर टीवी से 90 मिनट पहले ही सारे एपिसोड टेलिकास्ट किए जाएंगे। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान 16वीं बार इस शो की मेजबानी कर रहे हैं।

जयपुर पहुंचीं मन्नारा चोपड़ा, बताया सा रे गा मा का क्या है उनके लिए मतलब

बिग बॉस फेम मन्नारा चोपड़ा कुछ दिनों पहले अपनी नानी के घर अंबाला गई थीं। इन दिनों वो जयपुर में हैं और अपनी फैमिली के साथ छुट्टियां मना रही हैं। इसकी कुछ तस्वीरें उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट की हैं। एक प्यारी सी पोस्ट के जरिए अभिनेत्री ने बताया कि इस ट्रिप की पूरी योजना पेरिस से आए उनके दो कजिन्स ने की थी। पोस्ट को शेयर करते हुए मन्नारा चोपड़ा ने इंस्टाग्राम पर लिखा, मिलिए मेरे कजिन्स से जो मेरी नानी की तरफ से हैं। हम सब जयपुर में यादें संजो रहे हैं। उन्होंने अपनी नानी के घर की तस्वीरों के साथ ही कुछ यादें भी शेयर की हैं। इसमें उन्होंने नानी के घर के अलावा अंबाला कैंट की कुछ खूबसूरत तस्वीरें भी शेयर की हैं। अंकुर और आयुषी को धन्यवाद, पेरिस से भारत आने के लिए और इस ट्रिप की प्लानिंग करने के लिए। इस पोस्ट में उन्होंने एक वीडियो भी शेयर किया है। यहां इसमें वो अपने कजिन्स से मिलवाते हुए बता रही हैं कि उनके लिए सा रे गा मा का मतलब क्या है। मन्नारा ने मौसेरे और ममेरे भाई बहनों को सा, रे, गा बताया तो चौथे सुर मा को अपनी मां से जोड़ा। उन्होंने कहा क्योंकि मां तो हमेशा साथ रहती हैं। तस्वीरों में मन्नारा चोपड़ा जयपुर के दर्शनीय स्थलों में घूमती दिखाई दे रही हैं। जल महल से लेकर हवा महल तक को निहारती देखी जा सकती हैं। एक फोटो में वो राजस्थानी थाली का भी लुत्फ उठाती दिखीं। कुछ दिनों पहले उन्होंने अंबाला ट्रिप की भी तस्वीरें फैंस के लिए इंस्टाग्राम पर शेयर की थीं। उन्होंने पोस्ट में बताया था कि नानी के घर जाने पर उन्हें बहुत ही खास फील होता था। बचपन में जब भी वो वहां जाती थीं तो दोपहर में खूब सोती थीं, खेलती थीं, और घर के बने खाने और अचार का लुत्फ उठाती थीं। मन्नारा ने बताया कि यहां के मौसमी फल और सब्जियां जीवन में रंग भर देती हैं। ये सिर्फ पुरानी यादें नहीं, उससे बढ़कर हैं। यह अपनापन है। मन्नारा तेलुगु फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं। उन्होंने जिद फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। उन्होंने सलमान खान के रियलिटी शो बिग बॉस 17 में भी हिस्सा लिया था, जिसके बाद वो सुर्खियों में आईं। उस सीजन की वो सेकंड रनर-अप रही थीं।

लंबे ब्रेक के बाद सना मकबूल की महिला केंद्रित वेब सीरीज से बड़े पर्दे पर वापसी

लंबे ब्रेक के बाद अभिनेत्री सना मकबूल अब महिला केंद्रित वेब सीरीज के साथ वापसी कर रही हैं। अभिनेत्री का कहना है कि लंबे समय तक चुपचाप अपनी सेहत का ख्याल रखने और खुद को दोबारा तैयार करने के बाद अब फिर से एक्टिंग की दुनिया में कदम रख रही हैं। सना ने अपनी जिंदगी के सफर को याद करते हुए कहा कि जब हालात ने उन्हें रुकने पर मजबूर किया, तो उन्हें एहसास हुआ कि महिलाएं अक्सर खुद को सबसे आखिर में रखती हैं, अपने सपनों को, अपनी सेहत को, और अपनी खुशी को भी। उन्होंने कहा, मेरे लिए महिलाओं से जुड़ी एक कहानी के साथ वापसी करना बहुत खास है। ये मेरी तरफ से एक संदेश है कि हम सबको दूसरा मौका मिलना चाहिए, और हम सबकी बात सुनी जानी चाहिए। उनकी आने वाली वेब सीरीज महिलाओं की भावनाओं, ताकत और जज्बे पर आधारित होगी, जो सना की जिंदगी के अनुभवों से भी मेल खाती है। इस प्रोजेक्ट को उन्होंने इसलिए चुना क्योंकि वह ऐसे किरदारों को सामने लाना चाहती थीं, जो साहस, उम्मीद और आत्म-खोज की मिसाल पेश करें। सना को आखिरी बार सुर्खियों में तब देखा गया था, जब जून में उनकी करीबी दोस्त, डॉ. आशना कंचवाला ने अस्पताल से एक इमोशनल पोस्ट शेयर की थी। इंस्टाग्राम स्टोरी पर सना की एक बीमार हालत में तस्वीर साझा करते हुए आशना ने लिखा था, मेरी सबसे स्ट्रॉन्ग दोस्त। तुमने जैसी हिम्मत दिखाई है, मैं तुम पर गर्व करती हूं। तुम जल्द ही इस मुश्किल से बाहर आओगी। इसके कुछ दिन बाद, सना ने भी सोशल मीडिया पर अपने फैन्स को धन्यवाद कहा और सभी से दुआओं की गुजारिश की। उन्होंने एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह अपने हाथ में एक डॉल पकड़ी थीं और लिखा था, मेरे इस तूफान के बीच, वह मेरे लिए पहला लैबुबू लाया। इसके साथ ही सना ने एक इंटरव्यू में अपने हेल्थ इश्यू के बारे में खुलकर बताया था। उन्होंने कहा था, इस बीमारी में शरीर अपने ही अंगों पर हमला करता है। मेरे केस में यह लिवर को प्रभावित कर रहा है। यह लुपस की तरह है, जिसमें किडनी या जोड़ों पर असर होता है।

मनोज बाजपेयी की जुगनुमा जल्द होगी रिलीज, सामने आया नया पोस्टर

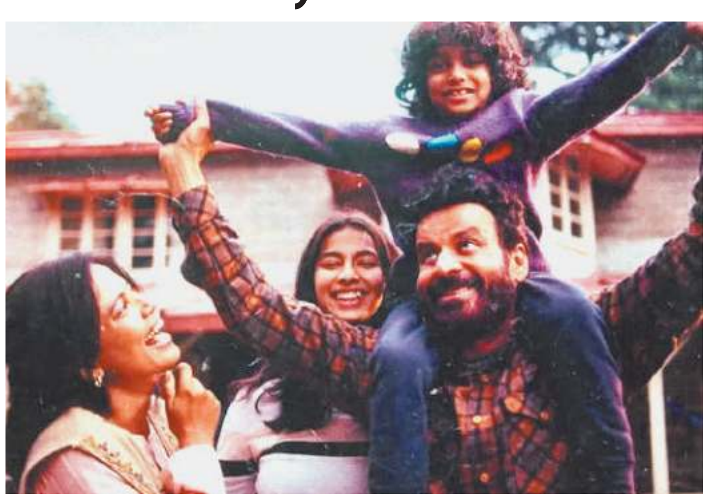

बॉलीवुड स्टार मनोज बाजपेयी की नई फिल्म जुगनुमा की रिलीज डेट फाइनल हो गई है। यह 12 सितंबर को रिलीज होगी। मेकर्स ने एक पोस्टर जारी कर इसकी जानकारी फैंस को दी है। जुगनुमा को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस फिल्म को खूब सराहा गया है। अब इसे भारत में रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म का एक पोस्टर तरण आदर्श ने इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए लिखा, मनोज बाजपेयी की फिल्म 12 सितंबर 2025 को रिलीज होगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तारीफ बटोरने के बाद अब ये भारत के सिनेमाघरों में रिलीज होने को तैयार है।

इस फिल्म को नेशनल अवॉर्ड विजेता राम रेड्डी ने डायरेक्ट किया है। उन्हें कन्नड़ फिल्म थिथि के लिए ये अवॉर्ड मिला था। इसके पोस्टर में मनोज बाजपेयी अपनी ऑनस्क्रीन फैमिली के साथ दिखाई दे रहे हैं। इसमें एक बच्चा उनके कंधों पर बैठा है और सभी किसी बात का जश्न मनाते दिख रहे हैं।

इस फिल्म की कहानी 1980 के दशक की है। इसमें जुगनू महादेव (मनोज बाजपेयी) रहस्यमयी तरीके से जल रहे जंगलों के बारे में पता लगाते हैं। इसमें मनोज बाजपेयी के साथ दीपक डोबरियाल, प्रियंका बोस, तिलोत्तमा शोम, हीरल सिद्धू और अवन पुकोट भी अहम किरदार निभा रहे हैं। गुनीत मोंगा और अनुराग कश्यप इस फिल्म के एग्जिक्यूटिव प्रोड्यूसर हैं। इसके डायलॉग वरुण ग्रोवर ने लिखे हैं। फिल्म को मैक्स मीडिया, सिख्या एंटरटेनमेंट और पर्सपेक्टिव प्रोडक्शन ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म के साथ ही मनोज बाजपेयी के पास फिल्म ‘इंस्पेक्टर जेंडे’ भी है। यह फिल्म 5 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने के लिए तैयार है। इसमें मनोज बाजपेयी एक बार फिर से इंस्पेक्टर की भूमिका में दिखाई देंगे। चिन्मय डी. मांडलेकर के निर्देशन में बनी फिल्म में मनोज बाजपेयी और जिम सर्भ के साथ भालचंद्र कदम, सचिन खेडेकर, गिरिजा ओक और हरीश दुधाडे जैसे एक्टर्स भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। कुछ दिनों पहले ही इसका पोस्टर जारी कर इसकी रिलीज डेट से पर्दा उठाया गया था।

ऑल अबाउट हर में होंगी मजेदार और जरूरी बातें: सोहा अली खान

अभिनेत्री सोहा अली खान ने डिजिटल ऑडियंस के साथ जुड़ने के लिए पॉडकास्ट ऑल अबाउट हर शुरू किया है। अभिनेत्री ने बताया कि कोविड के बाद से ही पॉडकास्ट का चलन कुछ ज्यादा ही हो गया है। ऐसे में हम एक ऐसा फॉर्मेट लेकर आए हैं, जो अब तक दर्शकों को देखने को नहीं मिला है। बातचीत में सोहा ने कहा, मैं मानती हूं कि आजकल पॉडकास्ट्स की संख्या बहुत बढ़ गई है और लोगों की दिलचस्पी भी इसमें बढ़ रही है। लेकिन जब मैंने रिसर्च की तो देखा कि न्यूज, फिक्शनल थ्रिलर्स, वेलनेस और पैरेंटिंग जैसे विषयों पर कई पॉडकास्ट हैं, मगर महिलाओं की वेलनेस को लेकर कोई बात नहीं कर रहा है और मैं इस पॉडकास्ट के जरिए इसी गैप को भरने की कोशिश कर रही हूं। एक्ट्रेस ने आगे बताया कि आमतौर पर पॉडकास्ट में या तो कोई सेलेब्रिटी होता है या कोई एक्सपर्ट। लेकिन उनके पॉडकास्ट का फॉर्मेट थोड़ा नया है। इसमें न केवल सेलिब्रिटी होंगे बल्कि एक्सपर्ट्स भी होंगे। सोहा ने कहा, जब कोई एक्सपर्ट होता है, तो बातचीत थोड़ी बोरिंग हो जाती है, जबकि सेलेब्रिटी के साथ बातचीत और मजेदार लगने लगती है, लेकिन उन बातचीत में कुछ सीखने को नहीं मिलता है। लेकिन जब दोनों को एक साथ लाया जाए, तो बातचीत भी मजेदार होती है और सुनने वालों को कुछ काम की बातें भी मिलती हैं। यही इस पॉडकास्ट की खासियत है। उम्मीद है कि यह पॉडकास्ट महिलाओं को जागरूक बनाएगा और उपयोगी जानकारी मुहैया कराने का एक बेहतरीन मंच साबित होगा। इस पॉडकास्ट में अलग-अलग क्षेत्रों की जानी-मानी महिलाएं शामिल होंगी, जिनमें मलाइका अरोड़ा, करीना कपूर खान, स्मृति ईरानी, राधिका गुप्ता, पत्रलेखा, और सनी लियोन जैसे कई पॉपुलर चेहरे नजर आएंगे। साथ ही, किरण कोएल्हो, डॉ. रंजना धनु, और रुजुता दिवेकर जैसी विशेषज्ञों को भी इसमें देखा जा सकेगा, जो अलग-अलग मुद्दों पर अपनी राय देती दिखेंगी।

त्रिकोणीय टी-20 सीरीज: अफगानिस्तान ने पाकिस्तान को 18 रन से हराया, इब्राहिम, अतल ने लगाया अर्धशतक

नई दिल्ली : शारजाह में खेले जा रहे त्रिकोणीय टी-20 सीरीज के तहत मंगलवार रात खेले गए मुकाबले में अफगानिस्तान ने पाकिस्तान को 18 रन से हरा दिया। श्रृंखला में तीसरी टीम यूएई की है। अफगानिस्तान की जीत के नायक रहे इब्राहिम जादरान (65) और सिदीकुल्लाह अतल (64), जिन्होंने शानदार अर्धशतक जमाए। इसके बाद गेंदबाजों ने सामूहिक प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान की पारी को दबाव में रखा। पाकिस्तान की ओर से फहीम अशरफ (4/27) सबसे सफल गेंदबाज रहे, लेकिन उनकी मेहनत टीम को जीत नहीं दिला सकी। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान की शुरूआत अच्छी नहीं रही। रहमानुल्लाह गुरबाज 8 रन बनाकर सैम अयूब का शिकार बने। इसके बाद अतल और इब्राहिम ने पारी संभाली और कई शानदार शॉट्स लगाए। दोनों ने नौवें ओवर में 50 रनों की साझेदारी पूरी की। 14वें ओवर में सूफियान मुकीम के खिलाफ 20 रन लेकर मैच का रुख पलट दिया। इसी ओवर में अतल ने अपना दूसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक पूरा

किया। दोनों के बीच 113 रनों की साझेदारी हुई। अशरफ ने शानदार गेंदबाजी करते हुए इब्राहिम, उमरजई और करीम जन्नत को आउट किया। हालांकि, मोहम्मद नबी ने तेज पारी खेलकर अफगानिस्तान को 169/5 तक पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की शुरूआत ठीक रही। साहिबजादा फरहान ने छक्का जड़ा, लेकिन दूसरे छोर से सैम अयूब पहली ही गेंद पर फजलहक फारूकी के शिकार हो गए। फखर जमान और फरहान ने रनगति तेज की, मगर जल्द ही दोनों आउट हो गए। सलमान अली आगा के रन-आउट होने से पाकिस्तान पर दबाव और बढ़ गया। इसके बाद अफगान गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट झटके। नूर अहमद और मोहम्मद नबी ने दो-दो विकेट लिए, जबकि राशिद खान ने लगातार दो गेंदों पर दो विकेट लेकर पाकिस्तान की उम्मीदें पूरी तरह तोड़ दीं। आखिर में हारिस रऊफ ने चार छक्के लगाकर थोड़ी चमक जरूर बिखेरी, लेकिन पाकिस्तान 20 ओवर में 151/9 तक ही पहुंच सका।

संक्षिप्त स्कोर:

अफगानिस्तान: 169/5 (20 ओवर) – इब्राहिम जादरान 65, सिदीकुल्लाह अतल 64; फहीम अशरफ 4/27, साइम अय्यूब 1/18

पाकिस्तान: 151/9 (20 ओवर) – हारिस रऊफ 34*, फखर जमान 25; नूर अहमद 2/20, मोहम्मद नबी 2/20

परिणाम: अफगानिस्तान 18 रन से विजयी।

मिडिल डिस्टेंस धावक परवेज खान पर डोपिंग के कारण 6 साल का बैन

एजेंसी

नई दिल्ली : भारतीय मिडिल डिस्टेंस धावक परवेज खान को डोपिंग में पकड़े जाने और 12 महीने के भीतर तीन डोप टेस्ट मिस करने के चलते 6 साल का प्रतिबंध झेलना होगा। पिछले साल परवेज ने अमेरिकी कॉलेजिएट एथलेटिक्स में शानदार प्रदर्शन कर सबका ध्यान खींचा था, लेकिन इसके तुरंत बाद पंचकूला (हरियाणा) में आयोजित नेशनल इंटर-स्टेट चैम्पियनशिप में उनके सैंपल में प्रतिबंधित दवा एरिथ्रोपोएटिन (ईपीओ) पाई गई। इसके बाद उन्हें अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया था।

ईपीओ क्या है?

ईपीओ एक ऐसी दवा है जो लाल रक्त कोशिकाओं को बढ़ाती है और एथलीट्स की स्टैमिना बढ़ाने के लिए डोपिंग में इस्तेमाल की जाती है। मेडिकल क्षेत्र में इसका उपयोग कैंसर रोगियों के इलाज में किया जाता है। परवेज ने सैंपल इ की जांच नहीं करवाई और सैंपल अ की रिपोर्ट को ही स्वीकार कर

लिया। इस अपराध के लिए सामान्य तौर पर 4 साल का प्रतिबंध लगता है। लेकिन इसके अलावा उन्होंने 12 मई, 10 जुलाई और 5 दिसंबर 2023 को तीन डोप टेस्ट भी मिस किए, जो अपने आप में दो साल का बैन लाता है। नेशनल एंटी-डोपिंग एजेंसी (नाडा) की एंटी-डोपिंग डिसिप्लिनरी पैनल (एडीडीपी) ने 6 अगस्त को दिए फैसले में कहा,ह्खिलाड़ी का सैंपल ईपीओ पॉजिटिव पाया गया है। साथ ही उसने 12 महीने की अवधि में एक और एंटी-डोपिंग नियम का उल्लंघन किया है। इसलिए दोनों उल्लंघनों की सजा मिलाकर प्रतिबंध की अवधि 6 साल तय की जाती है। यह प्रतिबंध 28 अगस्त 2024 से लागू माना जाएगा, जब उन्हें अस्थायी निलंबन दिया गया था। इस दौरान 27 जून 2024 के बाद उनके सभी प्रतिस्पर्धी परिणाम रद्द कर दिए जाएंगे और जीते हुए पदक, अंक व पुरस्कार वापस लेने होंगे।

अन्य खिलाड़ियों पर भी कार्रवाई

एडीडीपी की ताजा सूची में अन्य खिलाड़ियों को भी डोपिंग के चलते बैन किया गया है, जिनमें सुम्मी (क्वार्टरमाइलर, हरियाणा) झ 2 साल का बैन (14 अक्टूबर 2024 से), रेशमा दत्ता केवटे झ 4 साल का बैन, श्रीराग ए.एस. झ 5 साल का बैन, अनिरुद्ध अरविंद (रेसिंग कार ड्राइवर, चेन्नई) झ 3 महीने का बैन (22 अगस्त से), रोहित चमोली (मुक्केबाज, एशियन जूनियर गोल्ड मेडलिस्ट 2021) झ 2 साल का बैन (23 अगस्त से), दीपक सिंह (वेटलिफ्टिंग) झ 4 साल का बैन (25 सितंबर 2024 से), सिमरनजीत कौर (वेटलिफ्टिंग) झ 5 साल का बैन (22 अगस्त से), अर्जु (रेसलिंग) झ 4 साल का बैन (11 जून 2024 से), मोहित नांदल (कबड्डी) झ 4 साल का बैन (14 अगस्त से) शामिल हैं।

यूएस ओपन 2025: जोकोविच ने फ्रिट्ज को हराकर सेमीफाइनल में किया प्रवेश

एजेंसी

नई दिल्ली : न्यूयॉर्क के आर्थर ऐश स्टेडियम में मंगलवार को 38 वर्षीय नोवाक जोकोविच ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज को 6-3, 7-5, 3-6, 6-4 से हराकर यूएस ओपन 2025 के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अब उनका मुकाबला स्पेनिश स्टार कार्लोस अल्कराज से होगा। फ्रिट्ज के खिलाफ अपने अब तक के सभी 10 मुकाबले जीत चुके जोकोविच को इस बार भी कड़ी टक्कर मिली। पहले सेट में उन्होंने नौवें गेम में पांच ब्रेक प्वॉइंट बचाते हुए बढ़त बनाई और फिर दमदार क्रॉसकोर्ट शॉट के साथ दूसरा सेट भी अपने नाम किया। हालांकि चौथे सीड फ्रिट्ज ने संघर्ष करते हुए तीसरा सेट अपने पक्ष में किया और घरेलू दर्शकों में उम्मीद जगाई। लेकिन जोकोविच ने अपनी लय वापस हासिल करते हुए चौथे सेट में 5-4 की बढ़त बनाई और आखिरकार मैच को अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ जोकोविच का यूएस ओपन में अमेरिकी खिलाड़ियों के खिलाफ अपराजेय रिकॉर्ड 16-0 हो गया है। अब वह रिकॉर्ड 25वां

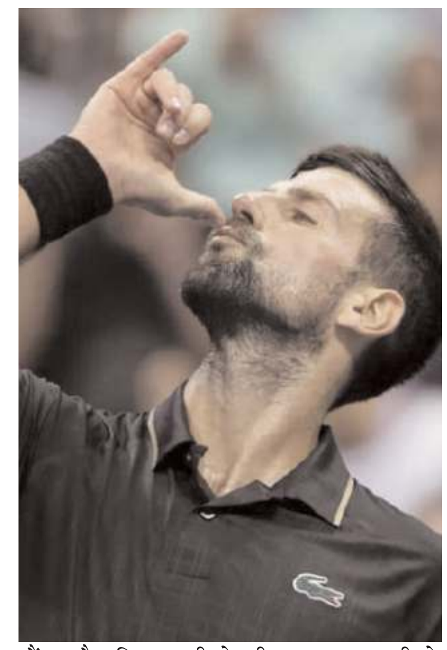

ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की राह पर मजबूती से आगे बढ़ रहे हैं।

मप्र के मुख्यमंत्री आज दिल्ली दौरे पर उद्योगपतियों से करेंगे वन-टू-वन मीटिंग

पीएम मित्रा पार्क₹ के इंटरैक्टिव सेशन में टेक्सटाइल क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं पर होगा मंथन

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव आज (बुधवार को) नई दिल्ली के प्रवास पर रहेंगे। वे यहां आयोजित ₹इन्वेस्टमेंट अपॉर्च्युनिटीज इन पीएम मित्रा पार्क₹ के इंटरेक्टिव सेशन में शामिल होंगे और उद्योगपतियों से वन-टू-वन मीटिंग करेंगे। इस अवसर पर केंद्रीय टेक्सटाइल मंत्री गिरीराज सिंह भी मौजूद रहेंगे। इंटरेक्टिव सेशन में टेक्सटाइल सेक्टर के निवेशकों और नीति-निमार्ताओं की मौजूदगी में मध्य प्रदेश में निवेश के अवसरों पर विचार-विमर्श होगा। केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह भारत के टेक्सटाइल सेक्टर की बढ़ती वैश्विक भूमिका और पीएम मित्रा पार्क की अहमियत पर अपने विचार रखेंगे। औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री डॉ यादव निवेशकों के साथ वन-टू-वन मीटिंग कर राज्य में उपलब्ध अधोसंरचना, नीतिगत सहयोग और नए अवसरों की जानकारी देंगे। साथ ही टेक्सटाइल हब के रूप में पहचान बना रहे मध्य प्रदेश की विशेषताओं से निवेशकों को अवगत कराएंगे। मुख्यमंत्री द्वारा यह भी बताया जाएगा कि कैसे पीएम मित्रा पार्क प्रदेश की औद्योगिक तस्वीर को बदलने वाला साबित होगा और रोजगार के नए अवसर सृजित करेगा। मुख्यमंत्री निवेशकों और उद्योगपतियों के साथ टेक्सटाइल क्षेत्र में निवेश संबंधी प्रस्तावों और संभावनाओं पर भी संवाद करेंगे। इंटरेक्टिव सेशन में वस्त्र मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी केन्द्रीय योजनाओं और टेक्सटाइल क्षेत्र में बढ़ते वैश्विक अवसरों पर जानकारी देंगे। मध्य प्रदेश के उद्योग विभाग और टेक्सटाइल विभाग के अधिकारियों द्वारा निवेशकों को मध्य प्रदेश में उपलब्ध संसाधनों, क्लस्टर आधारित विकास और विशेष पैकेज का प्रेजेंटेशन दिया जाएगा। केंद्रीय वस्त्र मंत्रालय की सचिव नीलम शमी राव और वस्त्र मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव रोहित कंसल भी अपने विचार साझा कर टेक्सटाइल उद्योग में नई संभावनाओं और केंद्र सरकार की नीतियों की जानकारी देंगे। वहीं, प्रमुख सचिव राघवेन्द्र सिंह द्वारा टेक्सटाइल सेक्टर में मध्य प्रदेश की नीतिगत पहल, निवेश प्रोत्साहन योजनाओं और औद्योगिक परिदृश्य की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश के धार जिले में प्रस्तावित पीएम मित्रा पार्क आधुनिक टेक्सटाइल इंडस्ट्री के लिए वर्ल्ड क्लास सुविधाओं से युक्त एकीकृत हब के रूप में विकसित किया गया है। यह पार्क कपड़ा उद्योग को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के साथ-साथ बड़े पैमाने पर निवेश और रोजगार सृजन का आधार बनेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल को जन्मदिन पर दी शुभकामनाएं

भोपाल : मध्य प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल का आज 3 सितंबर को जन्मदिन है। हेमंत खंडेलवाल आज अपना 61वां जन्मदिन मना रहे है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हेमंत खंडेलवाल को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं दी है और उनके स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की कामना की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स पर अपने शुभकामना संदेश में कहा भाजपा, मध्य प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष एवं बैतूल विधानसभा क्षेत्र से विधायक हेमंत खंडेलवाल जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। आपके नेतृत्व में पार्टी और अधिक सशक्त एवं संगठित होकर जनसेवा के नए कीर्तिमान स्थापित करे, यही शुभेच्छा है। बाबा महाकाल से आपके लिए उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं सुयशपूर्ण जीवन हेतु कामना है। हेमंत खंडेलवाल बीती एक जुलाई को बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष चुने गए थे। बतौर प्रदेश अध्यक्ष उन्होंने दो महीने पूरे कर लिए हैं। प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर उनका यह पहला जन्मदिन है। उन्होंने अपने जन्मदिन को लेकर कार्यकताओं और समर्थकों से होर्डिंग और बैनर-पोस्टर लगाकर प्रदर्शन से बचने की अपील की है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से विनम्र आग्रह किया है कि वे जन्मदिन पर होर्डिंग्स, बैनर या किसी भी प्रकार के प्रचार माध्यम से शुभकामनाएं न दें। उन्होंने कहा कि आपका स्नेह और संगठन के प्रति समर्पण ही मेरे लिए सबसे बड़ा उपहार है। आप सभी के आशीर्वाद और निरंतर समर्थन के लिए मैं हृदय से कृतज्ञ हूँ।

ग्वालियर: आज 8 शक्ति दीदियाँ संभालेंगी फ्यूल डिलेवरी वर्कर की जिम्मेदारी

एजेंसी

ग्वालियर : मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप महिला सशक्तिकरण की दिशा में ₹शक्ति दीदी₹ के नाम से प्रेरणादायी पहल हुई है। इस पहल के तहत जरूरतमंद महिलाओं को पेट्रोल पंपों पर फ्यूल डिलेवरी वर्कर के रूप में जिला प्रशासन द्वारा नौकरी दिलाई जा रही है। इसी क्रम में आज बुधवार को ह्लशक्ति दीदीह्व पहल के तहत आठ जरूरतमंद महिलाओं को फ्यूल डिलेवरी वर्कर की जिम्मेदारी मिलने जा रही है। कलेक्टर रुचिका चौहान सहित जिला प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी विभिन्न पेट्रोल पंपों पर पहुँचकर महिलाओं को ह्लशक्ति दीदीह्व के रूप में फ्यूल डिलेवरी वर्कर की जिम्मेदारी दिलायेंगे। महिला फ्यूल वर्कर के रूप में तैनात शक्ति दीदी की ड्यूटी की अवधि प्रातः 9 बजे से सायंकाल 5 बजे तक रहेगी। जनसम्पर्क अधिकारी हितेन्द्र सिंह भदौरिया ने बताया कि कलेक्टर रुचिका चौहान दोपहर एक बजे दीनदयालनगर के सामने स्थित आदित्यराज फिलिंग स्टेशन पर लक्ष्मी जादौन व नेहा को तथा दोपहर 1.20 बजे एयर फोर्स स्टेशन के सामने स्थित कारगिल फिलिंग स्टेशन पर कुसुमा सिंह, मानसी शर्मा व पूनम व्यास को फ्यूल डिलेवरी वर्कर की जिम्मेदारी सौंपेंगीं। इसी तरह एसडीएम नरेन्द्र बाबू यादव वार्ड क्र.-65 में स्थित गंगा फिलिंग स्टेशन वीरपुर में रानी झा को, संयुक्त कलेक्टर जूही गर्ग शिंदे की छावनी स्थित मॉडर्न फ्यूल्स पर बसंती को एवं एसडीएम प्रदीप शर्मा मोतीझील ऑटो सर्विस पर नफीसा बानो को ह्लशक्ति दीदीह्व के तहत फ्यूल डिलेवरी वर्कर की जिम्मेदारी सौंपेंगे।

केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले का आज दो दिवसीय छत्तीसगढ़ दौरा

रायपुर : केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले आज बुधवार से गुरुवार दो दिवसीय छत्तीसगढ़ के दौरे पर आ रहे हैं। मंत्री आठवले आज राजधानी रायपुर पहुँचकर राज्य अतिथि गृह में छत्तीसगढ़ सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। इस दौरान वे सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करेंगे और इन योजनाओं को और अधिक प्रभावी ढंग से जमीन पर लागू करने के लिए सुझाव व मार्गदर्शन देंगे। बैठक के पश्चात वे मीडिया से संवाद करेंगे और केंद्र सरकार की प्राथमिकताओं तथा समाज के वंचित वर्गों के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी साझा करेंगे। दौरे के दौरान मंत्री आठवले गुरुवार को रायगढ़ जाएंगे, जहाँ वे 40वें अंतरराष्ट्रीय चक्रधर समारोह–2025 और सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल होंगे। यह समारोह छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और कलात्मक परंपराओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करता है। मंत्री महोदय इस अवसर पर कलाकारों, आमंत्रित गणमान्य व्यक्तियों और स्थानीय समुदाय के साथ सहभागिता करेंगे।

राजस्थान के झालावाड़, प्रतापगढ़ और बांसवाड़ा में आज भारी वर्षा की चेतावनी

एजेंसी

जयपुर : बंगाल की खाड़ी में बने लो-प्रेशर सिस्टम के प्रभाव से राजस्थान में अगले चार दिन तक लगातार बारिश होने की संभावना है। मौसम विज्ञान, केंद्र जयपुर ने 3 सितंबर को झालावाड़, प्रतापगढ़ और बांसवाड़ा में भारी वर्षा का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं चित्तौड़गढ़, बूंदी, कोटा, बारां, सवाई माधोपुर, करौली, धौलपुर, भरतपुर, दौसा और अलवर में यलो अलर्ट घोषित किया गया है। बुधवार सुबह राजधानी जयपुर सहित कई जिलों में बारिश का दौर शुरू हो गया। भारी बारिश के कारण प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में हादसे भी हुए। दौसा के लालसोट में नालावास डैम टूटने से सैकड़ों लोग बांध के पानी में फंस गए। इसका असर जयपुर जिले के कई गांवों पर पड़ा और कोटखावदा व चाकसू तहसील के पांच से अधिक गांव जलमग्न हो गए। प्रतापगढ़ में एक शिक्षक पुलिया से गिरकर माही नदी में बह गया। सवाई माधोपुर में स्टंट कर रहा युवक बांध में समा गया। जोधपुर के तिंवरी क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक मकान ढह गया। पाली जिले के सोजत-बिलाड़ा स्टेट हाईवे पर मंडला गांव के पास नदी का पानी ऊपर आने से मार्ग डूब गया और एक ट्रक पानी में फंस गया। जालोर के आहोर में सोमवार शाम तीन बाइक सवार बरसाती नाले में बह गए, जिनमें से दो को बचा लिया गया, जबकि एक की तलाश अभी जारी है। पिछले 24 घंटों के दौरान कई जिलों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। दौसा के नांगल राजावतान में 53 मिमी, रामगढ़ पचवारा में 50 मिमी, राहुवास में 31 मिमी और लवाण में 30 मिमी पानी गिरा। भरतपुर के सीकरी और नदबई में 29-29 मिमी, नागौर के नावां में 35 मिमी, जयपुर के तूंगा में 34 मिमी, करौली के सपोटरा में 30 मिमी, अलवर के तिजारा में 25 मिमी, गोविंदगढ़ में 32 मिमी और बहरोड़ में 29 मिमी वर्षा दर्ज हुई। बारां के शाहबाद में 33 मिमी, सवाई माधोपुर के गंगापुर सिटी में 34 मिमी और तलवाड़ा में 30 मिमी बरसात हुई। मौसम विज्ञान केंद्र, जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि वर्तमान में मानसून ट्रफ बीकानेर, जयपुर, दतिया, सीधी और पुरी होते हुए बंगाल की खाड़ी तक सक्रिय है। इसके अलावा एक अन्य ट्रफ पंजाब, हरियाणा और उत्तर-पूर्वी राजस्थान से गुजर रही है। मंगलवार को बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना लो-प्रेशर सिस्टम अगले कुछ दिनों तक सक्रिय रहेगा, जिसके चलते प्रदेश में 7 सितंबर तक बारिश का सिलसिला जारी रहने की संभावना है।

करम पूजा पर ममता बनर्जी ने आदिवासी समाज को दी शुभकामनाएं, राज्य में घोषित किया सरकारी अवकाश

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पवित्र करम पूजा के अवसर पर आदिवासी समाज को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बुधवार को सोशल मीडिया पर संदेश साझा करते हुए कहा कि यह पर्व केवल बंगाल ही नहीं बल्कि पूरे भारत और विश्वभर के आदिवासी समाज के लिए आस्था और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने पहले इस दिन को सेक्शनल हॉलिडे घोषित किया था, लेकिन बाद में इसे स्टेट हॉलिडे का दर्जा दिया गया। उन्होंने कहा कि हमारे राज्य में आज के इस पवित्र दिन को हम पूरी श्रद्धा से मना रहे हैं। आदिवासी समाज की परंपराओं और योगदान के प्रति सम्मान जताने के लिए इसे राज्य अवकाश घोषित किया गया है। ममता बनर्जी ने यह भी याद दिलाया कि 15 नवंबर, भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर भी राज्य में सरकारी अवकाश घोषित किया गया है। इसके अलावा पंडित रघुनाथ मुर्मू की जयंती और हूल दिवस पर भी अवकाश घोषित कर सरकार ने आदिवासी समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये निर्णय आदिवासी समाज के प्रति सरकार की श्रद्धा और सम्मान का प्रतीक हैं।

रायपुर : मुख्यमंत्री साय आज स्टेट पॉवर कंपनियों के संयुक्त मुख्यालय भवन का करेंगे शिलान्यास

एजेंसी

रायपुर : छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज बुधवार को छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनियों के संयुक्त मुख्यालय भवन के निर्माण कार्य का शिलान्यास करेंगे। यह कार्यक्रम नवा रायपुर स्थित सेक्टर-24 में एनटीपीसी भवन के पास पूर्वान्ह 10.30 बजे से होगा। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के अध्यक्षता मंत्री केदार कश्यप करेंगे। कार्यक्रम में मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक सुनील सोनी, राजेश मूणत, पुरंदर मिश्रा, इन्द्र कुमार साहू, अनुज शर्मा एवं मोतीलाल साहू विशिष्ट अतिथि होंगे।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

एजेंसी

नई दिल्ली : ग्लोबल मार्केट से आज कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज कमजोरी के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। वहीं, एशियाई बाजारों में आज मिला-जुला कारोबार हो रहा है। अमेरिकी बाजारों में पिछले सत्र के दौरान लगातार मुनाफा वसूली होती रही, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक कमजोरी के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स 250 अंक फिसल गया। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.69 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,415.54 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके अलावा नैस्डेक ने 175.92 अंक यानी 0.82 प्रतिशत टूट कर 21,279.63 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 141.06 अंक यानी 0.31 प्रतिशत लुढ़क कर 45,154.75 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.87 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 9,116.69 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.70 प्रतिशत टूट कर 7,654.25 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 550 अंक यानी 2.34 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 23,487.33 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में आज मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 4 सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.32 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,093.35 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.34 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,183.15 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स में जोरदार तेजी नजर आ रही है। फिलहाल ये सूचकांक 0.92 प्रतिशत उछल कर 7,873.12 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.74 प्रतिशत की मजबूती के साथ 1,258 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.07 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,648 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.32 प्रतिशत टूट कर 4,284.76 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.96 प्रतिशत लुढ़क कर 3,820.98 अंक के स्तर पर, निक्केई इंडेक्स 247.49 अंक यानी 0.58 प्रतिशत फिसल कर 42,063 अंक के स्तर पर और हैंग सेंग इंडेक्स 108.55 अंक यानी 0.43 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,388 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

न्यूज IN ब्रीफ

झेलम नदी का जलस्तर बढ़ रहा है, स्थिति फिलहाल नियंत्रण में

जम्मू : श्रीनगर में नदी जल स्तर में बढ़ोतरी जारी है लेकिन बाढ़ और सिंचाई विभाग ने कहा है कि वर्तमान स्थिति अभी नियंत्रण में है। जल स्तर धीरे-धीरे बढ़ रहा है, वहीं मौसम विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि कुछ क्षेत्रों में जलस्तर खतरे के निशान को पार कर सकता है। आज सुबह 7 बजे गेज रीडिंग के अनुसार, संगम में झेलम का जलस्तर 16.72 फीट (बाढ़ निशान 21 फीट), पम्पोर 2.64 मीटर (बाढ़ निशान 4.5 मीटर), राम मुंशी बाग 12.09 फीट (बाढ़ निशान 18 फीट), अशाम 7.63 फीट (बाढ़ निशान 14 फीट) और वुलर झील 1576.55 मीटर पर दर्ज किया गया। वहीं, सहायक नालों में विषो नाला खुदवानी 8.24 मीटर, रामबियारा नाला वाची 0.90 मीटर और लिद्दर नाला बटकूट 1.67 मीटर दर्ज किया गया। विभाग ने कहा कि स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। मौसम विशेषज्ञ फैजान आरिफ ने चेतावनी दी कि संगम और राम मुंशी बाग में जलस्तर बाढ़ घोषणा स्तर और खतरे के निशान को पार कर सकता है। सुरक्षा के मद्देनजर आज सभी स्कूल और कॉलेज बंद कर दिए गए हैं, जबकि क्लस्टर यूनिवर्सिटी ऑफ कश्मीर ने आज की परीक्षाएं स्थगित कर दी हैं।

गंगा में कूदे प्रेमी युगल, तेज बहाव में लापता,शास्त्री पुल बना प्रेम कहानी का गवाह

मीरजापुर : जिले के कटरा कोतवाली क्षेत्र स्थित शास्त्री पुल मंगलवार को एक सनसनीखेज घटना का गवाह बना। यहां पहुंचे एक प्रेमी युगल ने अचानक एक-दूसरे का हाथ थाम गंगा में छलांग लगा दी। देखते ही देखते दोनों तेज धारा में बहकर लापता हो गए। राहगीरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर कटरा कोतवाल वैद्यनाथ सिंह और शास्त्री पुल चौकी प्रभारी पहुंचे। पुलिस ने गोताखोरों और एसडीआरएफ की टीम बुलाकर देर शाम तक तलाशी कराई, लेकिन प्रेमी युगल का कुछ पता नहीं चल सका। पुलिस को प्रेमी के बैग से पैन कार्ड मिला, जिससे उसकी पहचान हो गई। जानकारी के मुताबिक युवक (22) देहात कोतवाली क्षेत्र का रहने वाला था और गुजरात की एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करता था। कुछ दिन पहले ही वह घर आया था। बताया जा रहा है कि दो दिन पूर्व ही वह घर से गुजरात लौटने के लिए निकला था, लेकिन मंगलवार को अपनी प्रेमिका संग शास्त्री पुल पहुंचा और दोनों ने जिंदगी खत्म करने का खौफनाक कदम उठा लिया। कटरा कोतवाल वैद्यनाथ सिंह ने बताया कि दोनों आपस में रिश्तेदार बताए जा रहे हैं। घटना के बाद इलाके में तरह-तरह की चर्चाएं तेज हो गई हैं।

सास के नाम फर्जी मस्टरोल, पुलिया पर फर्जीवाड़ा - ग्राम प्रधान ने उड़ाए साढ़े दो लाख

मीरजापुर : मनरेगा की योजनाओं में पारदर्शिता का दावा करने वाली व्यवस्था में बड़ा फर्जीवाड़ा उजागर हुआ है। मड़िहान तहसील के नेवढ़िया गांव में ग्राम प्रधान ने अपनी ही सास अनारकली के नाम फर्जी मस्टरोल भरकर दो लाख 76 हजार 845 रुपये का भुगतान करा दिया। लोकपाल मनरेगा मदन गोपाल गुप्ता की जांच में सामने आया कि ग्राम प्रधान पुष्पा देवी, सचिव सुजीत कुमार सिंह और पंचायत सहायक अंशुल सिंह ने मिलकर सरकारी धन का गोलमाल किया। शिकायत मुस्किरा गांव निवासी कमला शंकर मिश्र ने आईजीआरएस पोर्टल पर दर्ज कराई थी। जांच में खुलासा हुआ कि 12 और 13 जुलाई को प्रधान जेल में बंद थीं, लेकिन उसी दौरान उनकी सास के नाम मस्टरोल भरकर भुगतान कर दिया गया। इतना ही नहीं, धंधरौल नहर से हरिजन बस्ती तक चक मार्ग और पुलिया का निर्माण दिखाकर एक लाख 96 हजार 754 रुपये निकाल लिए गए। वहीं शोकपीट गड्ढा के नाम पर भी 51 हजार 217 रुपये का फर्जी भुगतान कर दिया गया। लोकपाल ने पूरे प्रकरण को गंभीर मानते हुए बीडीओ को आदेश दिया कि तीनों दोषियों से रिकवरी कराई जाए और अर्थदंड लगाया जाए।

सितंबर भर सक्रिय रहेगा मानसून बंगाल में रुक-रुक कर बारिश का अनुमान

कोलकाता : सितंबर महीने भर पश्चिम बंगाल में रुक-रुक कर बारिश होती रहेगी। मौसमी हवाएं (मानसून) अक्टूबर के पहले या दूसरे सप्ताह तक सक्रिय रहेगी, जिसके कारण राज्य के विभिन्न हिस्सों में वर्षा का सिलसिला जारी रहेगा। हालांकि, दुर्गापूजा के दौरान बारिश होगी या नहीं, इस पर अभी स्पष्ट अनुमान नहीं लगाया जा सकता। मौसम विभाग ने बताया कि उत्तर-पूर्व बंगोपसागर में बने चक्रवात ने मंगलवार को निम्न दबाव का रूप ले लिया है। बुधवार शाम तक यह गहरा निम्न दबाव बनकर पश्चिम और उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर बढ़ेगा और ओडिशा तट से होते हुए जमीन पर प्रवेश करेगा। दक्षिण बंगाल में बुधवार को पूर्व और पश्चिम मिदनापुर, दक्षिण 24 परगना और झाड़ग्राम सहित तटीय और पश्चिमी जिलों में भारी बारिश की संभावना है। गुरुवार और शुक्रवार को दक्षिण बंगाल के अधिकांश जिलों में गरज-चमक और आंधी के साथ बारिश हो सकती है। इस दौरान कोलकाता, हावड़ा और हुगली जिलों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का भी अनुमान है। उत्तर बंगाल में बुधवार को भी गरज-चमक के साथ भारी बारिश की संभावना है। कलिम्पोंग, अलीपुरद्वार और जलपाईगुड़ी जिलों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। गुरुवार से बारिश की तीव्रता घटेगी और शुक्रवार व शनिवार को मौसम अपेक्षाकृत शांत रहेगा। हालांकि, रविवार से दोबारा बारिश का दौर शुरू होगा और रविवार व सोमवार को उपरोक्त जिलों में भारी बारिश होने का पूवार्नुमान है। कोलकाता में बुधवार सुबह का मौसम सामान्य तौर पर बादलों से घिरा रहेगा। बीच-बीच में हल्की से मध्यम बारिश या गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। अधिकतम तापमान करीब 31 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान लगभग 26 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। मंगलवार सुबह से बुधवार सुबह तक शहर में 26.5 मिमी बारिश दर्ज की गई। आर्द्रता का स्तर 79 से 97 प्रतिशत के बीच बना हुआ है, जिससे उमस भरा मौसम महसूस हो सकता है।

मध्य प्रदेश में बारिश का कोटा पूरा, इंदौर-उज्जैन समेत आज 26 जिलों में अलर्ट

भोपाल : मध्य प्रदेश में इस मानसूनी सीजन में सामान्य औसत बारिश का कोटा पूरा हो गया है। साथ ही प्रदेश में अभी हो रही बारिश फुल कोटे के अतिरिक्त दर्ज हो रही है। हालांकि प्रदेश के कई जिलों में सामान्य से काफी कम बारिश हुई है। मानसून ट्रफ और साइक्लोनिक सकुर्लेशन (चक्रवात) की वजह से प्रदेश में आज बुधवार को भी अति भारी या भारी बारिश का दौर जारी रहेगा। मौसम विभाग ने इंदौर-उज्जैन समेत 18 जिलों में भारी और 8 जिलों में अति भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। यानी आधा प्रदेश अगले 24 घंटे के दौरान तरबतर होगा। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश से दो ट्रफ गुजर रही हैं। इनमें से एक मानसून ट्रफ है। इस वजह से मंगलवार को कई जिलों में बारिश हुई। सिस्टम की बुधवार को भी एक्टिविटी रहेगी। जिससे कई जिलों में तेज बारिश का दौर जारी रहेगा। जिन 8 जिलों में आज भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है, उनमें देवास, सीहोर, हरदा, खंडवा, नर्मदापुरम, बैतूल, छिंदवाड़ा और पांढुर्णा शामिल हैं। यहां अगले 24 घंटे में साढ़े 8 इंच तक पानी गिरने का अनुमान है। वहीं, भारी बारिश के यलो अलर्ट वाले 18 जिलों में इंदौर, उज्जैन, रतलाम, झाबुआ, अलीराजपुर, धार, बड़वानी, खरगोन, बुरहानपुर, आगर-मालवा, राजगढ़, शाजापुर, विदिशा, रायसेन, नरसिंहपुर, सिवनी, मंडला और बालाघाट शामिल हैं। यहां ढाई से साढ़े 4 इंच तक बारिश हो सकती है। इससे पहले प्रदेश में मंगलवार को भी 25 से अधिक जिलों में बारिश का दौर जारी रहा। भोपाल, सिवनी और शिवपुरी में तेज बारिश हुई। दतिया, गुना, ग्वालियर, नर्मदापुरम, इंदौर, खरगोन, पचमढ़ी, खजुराहो, मंडला, रीवा, सागर, सीधी, शाजापुर, टीकमगढ़, सीहोर, विदिशा, रायसेन, राजगढ़ समेत कई जिलों में हल्की बारिश हुई। शाजापुर जिले के अकोदिया में भारी बारिश के बाद खारसौदा मार्ग की पुलिया डूब गई। यहां आवागमन बंद हो गया। एक स्कूल बस भी फंस गई। निचली बस्तियों में पानी भर गया। वहीं, नर्मदापुरम जिले के इटारसी में रुक-रुक कर तेज और रिमझिम बारिश होती रही। जलस्तर बढ़ने पर तवा डैम के 3 गेट दो-दो फीट की ऊंचाई तक खोले गए। यह इस सीजन में दूसरी बार है, जब बांध के गेट खोले गए। मऊगंज और पिपरिया में भी पानी गिरा। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में अब तक 38.2 इंच बारिश हो चुकी है, जो सीजन की 104 प्रतिशत है जबकि अब तक 31.5 इंच बारिश होनी थी। प्रदेश की सामान्य बारिश औसत 37 इंच है। पिछले मानसूनी सीजन में औसत 44 इंच बारिश दर्ज की गई थी।

न्यूज IN ब्रीफ

डॉ. सुरेन्द्र झा के असामयिक निधन पर विश्वविद्यालय में शोकसभा का आयोजन

दुमका : सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय में मंगलवार को एक शोकसभा का आयोजन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय परिवार ने विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्राध्यापक, एस.पी. कॉलेज के पूर्व प्राचार्य एवं विश्वविद्यालय अभिषद के पूर्व सदस्य स्वर्गीय डॉ. सुरेन्द्र झा के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया।
शोकसभा की अध्यक्षता कुलपति प्रो. कुनुल कंदिर ने की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी पदाधिकारी, विभिन्न संकायों के अधिष्ठाता, स्नातकोत्तर विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण एवं शिक्षकेतर कर्मचारीगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभा की शुरूआत डॉ. झा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई।
विभिन्न वक्ताओं–डॉ. संजीव कुमार (विभागाध्यक्ष, इतिहास), डॉ. संजय कुमार सिन्हा (वित्त पदाधिकारी), डॉ. संजय कुमार सिंह (संकायाध्यक्ष, विज्ञान), डॉ. पी.पी. सिंह (संकायाध्यक्ष, मानविकी) एवं डॉ. राजीव रंजन शर्मा (कुलसचिव)–ने स्व. डॉ. झा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें एक सच्चे शिक्षाविद्, मृदुभाषी, विनम्र एवं सरल स्वभाव का व्यक्ति बताया। वक्ताओं ने कहा कि डॉ. झा ने अपने दीर्घ शिक्षकीय जीवन में शिक्षा जगत को समर्पित रहते हुए विद्यार्थियों व सहकर्मियों के बीच सम्मान प्राप्त किया। उनके कार्य सदैव प्रेरणादायक रहेंगे।
कुलपति प्रो. कुनुल कंदिर ने डॉ. झा के निधन को विश्वविद्यालय की अपूरणीय क्षति बताते हुए कहा, ह्लस्व. डॉ. झा का विश्वविद्यालय के विकास में योगदान अविस्मरणीय है। शिक्षा के क्षेत्र में उनकी सेवाएं हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेंगी।ह्व
सभा का समापन दो मिनट के मौन के साथ किया गया, जिसमें उपस्थित सभी सदस्यों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने श्रद्धांजलि स्वरूप मंगलवार को सभी कार्यालयों को बंद रखने का निर्णय लिया। साथ ही, एक औपचारिक शोक प्रस्ताव पारित कर डॉ. झा के परिजनों को प्रेषित किए जाने का निर्णय लिया गया।
गौरतलब है कि डॉ. सुरेन्द्र झा ने विश्वविद्यालय में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करते हुए शिक्षा क्षेत्र में अमूल्य योगदान दिया था। वे कुछ वर्ष पूर्व सेवानिवृत्त हुए थे। उनका निधन दिनांक 31 अगस्त 2025 को हुआ। उनके निधन से विश्वविद्यालय परिवार ने एक विद्वान शिक्षक, मार्गदर्शक और प्रेरक व्यक्तित्व को खो दिया है।

एसकेएमयू के वित्त पदाधिकारी को राजभवन से मिला छह माह का सेवा विस्तार

दुमका : सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका (एसकेएमयू) के वर्तमान वित्त पदाधिकारी डॉ. संजय कुमार सिन्हा को राजभवन की ओर से छह माह का सेवा विस्तार प्रदान किया गया है। इस संबंध में राजभवन द्वारा मंगलवार को विश्वविद्यालय को एक पत्र भेजा गया, जिसके आलोक में कुलपति प्रो. कुनुल कंदीर के निदेर्शानुसार कुलसचिव द्वारा सेवा विस्तार की अधिसूचना जारी कर दी गई है। प्राप्त आदेश के अनुसार डॉ. सिन्हा को 1 सितम्बर 2025 से अधिकतम छह माह अथवा झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) से नियमित नियुक्ति होने तक के लिए वित्त पदाधिकारी पद पर सेवा विस्तार दिया गया है। डॉ. संजय कुमार सिन्हा विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर हैं और पिछले छह माह से वित्त पदाधिकारी के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन में उनका लंबा अनुभव रहा है। वे पूर्व में एसपी कॉलेज के प्राचार्य, परीक्षा नियंत्रक, कुलसचिव समेत कई महत्वपूर्ण प्रशासनिक पदों पर कार्य कर चुके हैं। डॉ. सिन्हा को एक कुशल, निष्पक्ष एवं निर्विवाद प्रशासक के रूप में जाना जाता है। उनके कार्यकाल में विश्वविद्यालय के वित्तीय प्रबंधन में पारदर्शिता और दक्षता आई है। उनके प्रति विश्वविद्यालय प्रशासन और राजभवन का यह विश्वास इस बात का प्रमाण है कि वे विश्वविद्यालय के समर्पित और विश्वसनीय अधिकारियों में से एक हैं।

शिक्षक दिवस पर खेल शिक्षकों को मिलेगा एपीआर नायर एक्सीलेंसी अवॉर्ड

जमशेदपुर : शिक्षक दिवस के अवसर पर आठ सितंबर को मानगो स्थित एपीजेए कलाम हाई स्कूल में शहर के आठ खेल शिक्षकों को एपीआर नायर एक्सीलेंसी अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान सामाजिक संस्था अमन वेलफेयर सोसाइटी की ओर से पिछले तीन वर्षों से दिया जा रहा है। संस्था के अध्यक्ष डॉ. अफरोज शकील ने मंगलवार को प्रेस वार्ता में जानकारी दी कि चयनित शिक्षकों को खेल के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए यह अवॉर्ड प्रदान किया जाएगा।सम्मानित होने वालों में विवेक शर्मा (टाटा स्टील खेल विभाग), अजहर हुसैन उर्फ टीपू (सेंट मेरीज हिंदी), रवि (केपीएस), अनिता (केपीएस मानगो), प्रतिमा (एसएस एकेडमी), शर्मिष्ठा रॉय (योग प्रशिक्षक), चंदन कुमार प्रसाद (शतरंज कोच) और रोहित सिंह (फुटबॉल) शामिल हैं।अमन वेलफेयर सोसाइटी द्वारा एपीआर नायर एक्सीलेंसी अवॉर्ड के अलावा छात्रों के लिए छात्रवृत्ति, खेलकूद प्रतियोगिता, प्रतिभा सम्मान और यूथ डवलपमेंट कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। मौके पर ताहिर हुसैन समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

मारुति ट्रू वैल्यू के यार्ड में धूंझ्रधूं कर जली कार, मची अफरा-तफरी

जमशेदपुर : मानगो के पारडीह स्थित मारुति के ट्रू वैल्यू के यार्ड में एक कार में आग लग गई। इस दौरान मौके पर अफराझ्रतफरी का माहौल बन गया। मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने आग पर काबू पाने का प्रयास किया और घटना की जानकारी थाना और अग्निशमन विभाग को दी। सूचना पाकर अग्निशमन विभाग से एक दमकल मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने के प्रयास में जुट गई। ट्रू वैल्यू में सेकेंड हैंड कारों की बिक्री होती है। जानकारी के अनुसार एक ग्राहक कार खरीदने पहुंचा था। टेस्ट ड्राइव के लिए कर्मचारी कार की बैटरी बदल रहे थे। इसी दौरान कार में शॉर्ट सर्किट हुआ और उसमें आग लग गई।

सिन्दरी में रावण दहन महोत्सव भव्य व आकर्षक होगा : दिनेश सिंह

सिंदरी : सिन्दरी के शहरपुरा शिव मंदिर प्रांगण में 2 अक्टूबर को ऐतिहासिक रावण दहन के लिए रावण दहन समिति की बैठक मंगलवार को शिव मंदिर कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता राज बिहारी सिंह ने की। बैठक में शिव मंदिर कमेटी के सचिव दिनेश सिंह ने कहा कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 65 फीट ऊंचा और 40 फीट चौड़ा रावण का पुतला बनेगा।

ग्रामीणों ने विधायक भूषण बाड़ा को सौंपा ज्ञापन

पैसा उगाही करने वाली घटना पर रोक लगाए प्रशासन : विधायक

संवाददाता

सिमडेगा : जिले के कुरडेग प्रखंड अंतर्गत गड़ियाजोर पंचायत के मुखिया, वार्ड सदस्य सहित दर्जनों ग्रामीणों ने विधायक भूषण बाड़ा को ज्ञापन देकर नील जस्टीन बेक द्वारा मनरेगा द्वारा संचालित योजनाओं को अवैध वसूली करने की शिकायत की है। विधायक को सौंपे गए आवेदन में कहा गया है कि गड़ियाजोर पंचायत के ग्रामीण एवं मनरेगा योजना के लाभूक ने नील जस्टीन बेक से परेशान व तनाव में जीवन यापन कर रहे हैं। आवेदन में बताया गया है कि ग्रामीणों के रोजगार का एकमात्र साधन मनरेगा योजना है। इसी के सहारे जीवन यापन करते हैं। अगर इसमें भी रोजगार नहीं मिला तो बहुत से ग्रामीण रोजगार की तलाश में पलायन कर जाएंगे। लेकिन नील जस्टीन बेक लाभुकों से बार बार आरटीआई मांग कर मानसिक रुप से परेशान कर रहा है। आवेदन में कहा गया है कि फिलहाल नील जस्टीन बेक गड़ियाजोर पंचायत से 500000 रुपए की मांग किया है। आवेदन में कहा गया है कि कई लाभूक नील जस्टीन से डर कर उधारी में लेकर नील जस्टीन बेक के घर 27000 रुपए पहुंचा दिया है। ग्रामीणों ने कहा कि नील जस्टीन बेक द्वारा आरटीआई का उपयोग नीजि स्वार्थ की पूर्ति के लिए किया जा रहा है। आवेदन के माध्यम से ग्रामीणों ने मामले की जांच कर नील जस्टीन बेक के उपर कारवाई की मांग की है। इधर ग्रामीणों के आवेदन को विधायक भूषण बाड़ा ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को डरा धमका कर पैसे की उगाही करने वाले ऐसे लोगों को गांव में घुंसने न दें। उन्होंने मामले की जिले के अधिकारियों से संज्ञान लेने की मांग की है। साथ ही जिले में ऐसी घटना पर पूर्णतः रोक लगाने की अपील की है।

रोटरी क्लब चाइबासा ने सदर अस्पताल में मरीजों के बीच फलों का किया वितरण

संवाददाता

रोटरी क्लब चाईबासा के द्वारा सदर अस्पताल में भर्ती रोगियों के बीच फलों का वितरण किया गया, मुख्य अतिथि के रूप में उप सिविल सर्जन डॉक्टर शिवचरण हांसदा उपस्थित थे, उन्होंने कहा कि रोटरी के द्वारा किए जा रहे कार्य समाज के लिए गौरव की बात है और काफी सराहनीय भी, हमें अपने व्यस्त जीवन में अपने साथ-साथ समाज के लोगों की भी सेवा का समय निकलना चाहिए.
रोटरी के सदस्य ऐसे कार्यों के लिए सदा आगे रहते है।
रोटरी क्लब चाईबासा के अध्यक्ष विकास दोदराजका ने बताया कि रोटरी का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों की सेवा और उनमें आपसी समन्वय की भावना को विकसित करना है, उसी के तहत रोटरी क्लब चाईबासा ने सदर अस्पताल के वृद्धजनों, महिला और पुरुष विभाग में भरती मरीजों के बीच फलों का वितरण किया, कार्यक्रम संयोजक
विष्णु भूत ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए बताया कि इस कार्यक्रम के प्रायोजक चाईबासा

इंजीनियरिंग कॉलेज के निदेशक देवब्रत राहा है, मौके पर रोटरि गुरुमुख सिंह खोखर, मदन लाल गुप्ता, दीपक प्रसाद, दुर्गेश खत्री, सौरभ प्रसाद , रेड क्रॉस सोसाइटी के अजय मोहता आदि का सराहनीय सहयोग रहा।

सीआरपीएफ के आईजी साकेत कुमार सिंह उपलब्धि और कामयाबी के लिए पहचाने जाते हैं

बिनय मिश्रा

भारतीय पुलिस सेवा 2002 बैच के लोकप्रिय कर्मठ और उपलब्धि भरे कार्यों के लिए पहचाने जाने वाले सीआरपीएफ आईजी साकेत कुमार के कार्यकाल की एक और उपलब्धि यह रही कि 1 सितंबर को लातेहार जिला में झारखंड जनमुक्ति परिषद (जे जे एम पी) के शीर्ष नौ कमांडरों ने हथियारों के जखीरे के साथ आत्मसमर्पण किया जो सीआरपीएफ के लिए उपलब्धि और गौरव की बात है। जिला पुलिस बल एवं लातेहार के एसपी कुमार गौरव के द्वारा अपने पद स्थापना काल के एक वर्ष में नक्सलियों की खूब खोज खबर लेने के साथ साथ उन्हें आत्मसमर्पण के लिए प्रेरित किए जाने का परिणाम उपलब्धि के रूप में सामने आया। आईजी श्री सिंह पुलिस अधीक्षक सिमडेगा, सिटी एसपी रांची,एसपी गढ़वा ,एसपी बोकारो, एस एसपी रांची भी रहे हैं। कमांडो प्रशिक्षण भी उनकी विशेषता में शामिल है। श्री सिंह पलामू, कोल्हान और बोकारो के डीआईजी भी रह चुके हैं। आईजी मुख्यालय के पश्चात वे केंद्र प्रतिनियुक्ति के दौरान सीआरपीएफ के आईजी रहे और वर्तमान समय में झारखंड में सीआरपीएफ के आईजी हैं।

श्री सिंह की दो बातें आज भी गौरव का अहसास दिलाती है वे जब बोकारो के एसपी थे तब नक्सलियों की खोजबीन और मुठभेड़ के दौरान उनकी बड़ी पुत्री पीहू का जन्म हुआ था और दूसरी जब वे रांची के एस एस पी थे तब पुलिसमीट कार्यक्रम में उन्होंने अपने अद्भुत निशानेबाजी से सबको हैरत में डाल दिया। अपने सटीक निशाने से सबको हतप्रभ कर दिया था। ऐसे अधिकारी जिला और राज्य के लिए गौरव हैं।

कृषि निदेशक ने किया कृषि महाविद्यालय का निरीक्षण

संवाददाता

देवघर : झारखंड सरकार के कृषि विभाग के कृषि निदेशक भोर सिंह यादव का आगमन रविन्द्र नाथ टैगोर कृषि महाविघालय देवघर में हुआ। निदेशक श्री यादव द्वारा आधुनिक तकनिकी का प्रयोग करते हुए कृषि क्षेत्र में बेहतर परिणाम करने की सलाह दी। फलद्वार वृक्षारोपन कर ज्यादा मुनाफा एवं पोषण सुरक्षा प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने परिक्षेत्र परिभ्रमण किया एवं उचित सुझाव दिये। साथ ही ब्रीडर वीज, एवं आधार वीज के उपज में आगे आने का सुझाव दिये। इस क्षेत्र के किसानों के हित के लिये उपयोगी फल एवं सब्जी लगाने के लिए प्रशिक्षण दिया जाय। प्रशिक्षण देने के लिए कॉलेज के वैज्ञानिक को प्रेरित किये। इस मौके पर उपस्थित जिला कृषि पदाधिकारी देवघर डॉ .वीणा टुडू ने पूर्ण सहयोग करने के लिए आशस्त्वत किया। बाद में निदेशक के द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र सुजानी देवघर का भ्रमण किया गया एवं किसान गोष्ठी का आयोजन किया जिसमें देवघर जिला के प्रगतिशील किसान एफ पीओ के सदस्य ने भाग लिया। किसान गोष्ठी में किसानों के

समस्या को निदेशक ने सुना और समस्या दूर करने का आश्वासन दिया। पुनः संयुक्त जिला कृषि कार्यालय देवघर का निरिक्षण निदेशक द्वारा किया गया। मौके पर विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का समिक्षा बैठक किया गया और सभी योजना को ससमय पूरा करने का निदेश दिया गया। साथ ही कृषि विज्ञान केंद्र सुजानी देवघर में श्री भोर सिंह यादव, कृषि निदेशक, झारखंड सरकार ने केंद्र की गतिविधियों का अवलोकन किया। इस अवसर पर उन्होंने बीज उत्पादन को बढ़ावा देने, उच्च मूल्य वाली फसलों की खेती और जैविक खेती को बढ़ावा देने जैसे विषयों पर जानकारी दी।
इसके अलावा श्री यादव ने मौके पर मौजूद एफपीओ के सदस्यों, एनजीओ के प्रतिनिधियों और प्रगतिशील किसानों द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र देवघर द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की और उचित सुझाव दिए।मौके पर मौजूद जिला कृषि पदाधिकारी बीना टुडू ने कृषि विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी दी। जिला उद्यान पदाधिकारी यशराज ने उद्यान विभाग की योजनाओं के बारे में जानकारी दी।
मौके पर जिला भूमि संरक्षण पदाधिकारी मुकेश कुमार, भूमि संरक्षण पदाधिकारी चौधरी और आत्मा के उप परियोजना निदेशक अरविंद कुमार राय उपस्थित थे। केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक और प्रमुख डॉ. राजन कुमार ओझा ने केंद्र की गतिविधियों से निदेशक को अवगत कराया और किसानों की समस्याओं से अवगत कराया।

सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय को नया परीक्षा नियंत्रक मिला

संवाददाता

दुमका : सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका में परीक्षा नियंत्रक पद पर डॉ. रीना नीलिमा लकड़ा की नियुक्ति की गई है। इस संबंध में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कुनुल कंदीर के निदेर्शानुसार कुलसचिव डॉ. राजीव रंजन शर्मा द्वारा मंगलवार को अधिसूचना जारी की गई। यह नियुक्ति राजभवन से प्राप्त अनुमोदन के आलोक में की गई है।
डॉ. रीना नीलिमा लकड़ा वर्तमान में एसपी महिला कॉलेज, दुमका के अर्थशास्त्र विभाग में सहायक प्राध्यापक के पद पर कार्यरत हैं। वे 2008 बैच की शिक्षिका हैं और पूर्व में एसपी महिला कॉलेज में प्रोफेसर इंचार्ज के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुकी हैं।
डॉ. लकड़ा को अधिकतम 6 माह या झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) से नियमित नियुक्ति होने तक के लिए विश्वविद्यालय का प्रभारी परीक्षा नियंत्रक नियुक्त किया गया है। वे डॉ. जय कुमार साह से कार्यभार ग्रहण करेंगी।
उल्लेखनीय है कि डॉ. जय कुमार साह ने अपने कार्यकाल के दौरान परीक्षा नियंत्रक के रूप में उत्कृष्ट कार्य किया। उनके नेतृत्व में विश्वविद्यालय में कई ऐतिहासिक पहलें हुईं – जैसे छात्रों को एक दिन में प्रमाण पत्र उपलब्ध कराना, पीएचडी नामांकन की प्रक्रिया शुरू करना, केंद्रीकृत मूल्यांकन एवं पेपर सेटिंग प्रणाली लागू करना, तथा सत्र नियमित रखने हेतु निरंतर परीक्षाओं का आयोजन। इसके अतिरिक्त उनके कार्यकाल में विश्वविद्यालय ने दो दीक्षांत समारोह भी सफलतापूर्वक आयोजित किए। डॉ. साह अब विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र विभाग में पुनः शिक्षण कार्यभार ग्रहण करेंगे।

संताल परगना महाविद्यालय में वार्षिक उत्सव का भव्य आयोजन

युवा शक्ति ही राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है : विधानसभा अध्यक्ष

संवाददाता

दुमका : संताल परगना महाविद्यालय, दुमका में मंगलवार को वार्षिक उत्सव का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष .रविन्द्र नाथ महतो, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उनके साथ ही क्षेत्र के कई जनप्रतिनिधि, विधायकगण तथा गणमान्य अतिथि भी कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। जिनमें मुख्य रूप से महेशपुर विधायक प्रो. स्टीफन मरांडी, जामा विधायक डॉ. लुईस मरांडी, पोड़ैयाहाट विधायक प्रदीप यादव मुख्य रूप से उपस्थित हुए। जबकि दुमका प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक शैलेन्द्र कुमार सिन्हा एवं सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ राजीव रंजन शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही। वार्षिक उत्सव का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन और के साथ किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के पी यादव ने अतिथियों का स्वागत करते हुए महाविद्यालय की उपलब्धियों एवं शैक्षणिक प्रगति पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि संताल परगना महाविद्यालय न केवल शिक्षा के क्षेत्र में बल्कि खेलकूद, सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों में भी अग्रणी रहा है। विधानसभा अध्यक्ष श्री महतो ने अपने संबोधन में महाविद्यालय की गौरवपूर्ण परंपरा की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्था शिक्षा की गुणवत्ता और सामाजिक मूल्यों को नई दिशा दे रही है। उन्होंने विद्यार्थियों को मेहनत, अनुशासन और समर्पण के महत्व पर बल देते हुए कहा कि युवा शक्ति ही राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे केवल नौकरी पाने के लिए नहीं, बल्कि समाज के उत्थान के लिए भी शिक्षा प्राप्त करें। इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिनमें लोकनृत्य, नाटक, गीत-संगीत और कविताओं की शानदार प्रस्तुति हुई। छात्रों ने संताल परंपरा, आदिवासी संस्कृति तथा राष्ट्रीय एकता पर आधारित नृत्य-नाटिकाओं के माध्यम से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।
वार्षिक उत्सव में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। शैक्षणिक उपलब्धियों, खेल प्रतियोगिताओं तथा सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। इससे विद्यार्थियों का उत्साह और भी दोगुना हो गया। इस मौके पर क्षेत्र के विधायकों ने भी विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि महाविद्यालय की यह परंपरा युवा पीढ़ी को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर देती है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि महाविद्यालय भविष्य में भी इसी तरह समाज और शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन महाविद्यालय के इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ सुमित्रा हेम्ब्रम द्वारा किया गया। उन्होंने सभी अतिथियों, विधायकों, प्राध्यापकों, विद्यार्थियों और मीडिया प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ यदुवंश यादव द्वारा किया गया। संताल परगना महाविद्यालय का यह वार्षिक उत्सव न केवल एक सांस्कृतिक पर्व बना, बल्कि यह शिक्षा, कला और सामाजिक सरोकारों का संगम साबित हुआ। कार्यक्रम की भव्यता और अतिथियों की गरिमामय उपस्थिति ने इसे और भी यादगार बना दिया।